राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...

समय दर्शन

रायपुर एवं दुर्ग से प्रकाशित

ESTD : Since 2011

संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर

निष्पक्ष निर्भीक खबरों के साथ

वर्ष 14, अंक 306 पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रूपये दुर्ग, सोमवार 15 सितम्बर 2025 www.samaydarshan.in

संक्षिप्त समाचार

पंजाब में अफ्रीकी स्वाइन फीवर ने दी दस्तक

अमृतसर। पंजाब के अजनाला क्षेत्र में अफ्रीकी स्वाइन फीवर के कई मामले सामने आए हैं, जिसके बाद पशुपालन विभाग और स्थानीय प्रशासन सतर्क हो गया है। यह एक घातक वायरल बीमारी है, जो केवल सूअरों को प्रभावित करती है। पशुपालन विभाग के सहायक उप निदेशक रविंदर सिंह कांग ने जानकारी दी कि अजनाला के एक फार्म में कुछ सूअरों की मौत के बाद जांच करवाई गई। परीक्षण में कुछ नमूने पॉजिटिव पाए गए। उन्होंने बताया कि यह कोई फ्लू नहीं, बल्कि अफ्रीकी स्वाइन फीवर है जो केवल सूअरों को संक्रमित करता है। इसके फैलाव को रोकने के लिए प्रभावित सूअरों को नष्ट कर दिया गया है और फार्म की सफाई की जा रही है। विश्व पशु स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, यह बीमारी घरेलू और जंगली सूअरों में फैलती है और इसकी मृत्यु दर 100 प्रतिशत तक हो सकती है। हालांकि, यह संक्रमण मनुष्यों या अन्य जानवरों में नहीं फैलता, लेकिन सूअर पालन और कृषि अर्थव्यवस्था पर इसका भारी असर पड़ता है।

पंजाब में बाढ़ की आड़ में हथियारों की तस्करी

फाजिल्का। पंजाब में बाढ़ की आड़ में पाकिस्तान से हथियारों की तस्करी की जा रही है। इसी कड़ी में फाजिल्का पुलिस ने लगातार दूसरे दिन पाकिस्तान से हो रही हथियार तस्करी को नाकाम किया है। सीआईए स्टाफ ने गश्त के दौरान गांव थेह कलंदर के निकट दो आरोपियों को दबोचकर उनके कब्जे से 16 पिस्तौल, 38 मैगजीन और 1847 जिंदा रौंद बरामद किए। इससे एक दिन पहले गुरुवार को पुलिस ने 27 पिस्तौल जब्त की थी। आरोपियों की पहचान गुरविंदर सिंह निवासी गांव झोक डिपुलाना और सोना सिंह निवासी महातम नगर के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, दोनों बाढ़ का फायदा उठाकर पाकिस्तान से अवैध हथियार ला रहे थे। दो दिनों में लगातार दूसरी बड़ी बरामदगी ने सुरक्षा एजेंसियों की चिंता बढ़ा दी है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि आरोपितों से पूछताछ के बाद यह पता लगाया जाएगा।

अमेरिका में भारतीय की बेरहमी से हत्या, पत्नी-बेटे के सामने गर्दन काटी

नई दिल्ली। अमेरिका के डलास शहर में एक भारतीय मूल के व्यक्ति की बेरहमी से हत्या कर दी गई। आरोपी ने मामूली विवाद के बाद धारदार हथियार से उसका सिर काट दिया और फिर कटे हुए सिर को कूड़ेदान में फेंक दिया। मृतक की पहचान कर्नाटक निवासी चंद्र नागमल्लैया के रूप में हुई है। वह डलास के एक मोटल में कार्यरत थे। पुलिस के अनुसार, नागमल्लैया ने अपने सहकर्मी योर्डानिस कोबोस-मार्टिनेज को टूटी हुई वाशिंग मशीन का उपयोग न करने की हिदायत दी थी। इस बात से आरोपी गुस्से में आ गया कि नागमल्लैया ने उससे सीधे बात करने के बजाय दूसरे कर्मचारी से अपनी बात अनुवाद करवाकर कही। गुस्से में भरे कोबोस-मार्टिनेज ने धारदार हथियार से नागमल्लैया पर हमला कर दिया।

अब असम में बांस से बनेगा एथेनॉल

आत्मनिर्भर भारत अभियान का केंद्र है पूर्वोत्तर-पीएम मोदी

गुवाहाटी/ एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को असम में नुमालीगढ़ रिफाइनरी लिमिटेड (एनआरएल) में असम बायो एथेनॉल संयंत्र का उद्घाटन किया और नुमालीगढ़ रिफाइनरी लिमिटेड (एनआरएल) में पॉलीप्रोपाइलीन संयंत्र की आधारशिला भी रखी। पीएम मोदी ने कहा कि आज यहां बांस से एथेनॉल बनाने की शुरुआत हुई है। इसका असम के लोगों को फायदा होगा। सरकार यहां के किसानों को बांस की खेती करने में मदद करेगी और खरीदी भी करेगी। असम और पूर्वोत्तर आत्मनिर्भर भारत अभियान का केंद्र है। पीएम मोदी ने कहा कि असम में पीएम मोदी ने कहा कि असम को 12 हजार करोड़ की सौगात दी गई है। ये उद्यम असम के विकास को गति देंगे। मैं सभी को प्रोजेक्ट्स के लिए बधाई देता हूं। भारत दुनिया का सबसे तेजी से विकसित होने वाला देश है। जैसे-जैसे भारत विकसित हो रहा है, वैसे-वैसे बिजली, ईंधन की जरूरतें बढ़ रही हैं। हम इन चीजों के लिए विदेशों पर निर्भर रहे हैं। हमारे पैसों से विदेशों में रोजगार बनते हैं। इसको बदला जाना जरूरी है। भारत आत्मनिर्भर बनने की राह पर बढ़ चला है। उन्होंने कहा कि वो दिन भूलने नहीं है कि पिछली सरकार बांस काटने पर जेल में डाल देती थी। बांस आदिवासियों की रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा है। हमारी सरकार से बांस काटने से बैन हटा दिया। आज यह फैसला पूर्वोत्तर के लोगों को फायदा पहुंचा रहा है। मेक इन असम और मेक इन इंडिया की नींव मजबूत होने वाली है। अब असम की पहचान में पॉलीप्रोपाइलीन से बने उत्पाद होंगे।

असम आत्मनिर्भर भारत अभियान का केंद्र है। असम को हमने बहुत बड़े अभियान के लिए चुना है। यह अभियान है सेमी कंडक्टर मिशन। उन्होंने कहा कि गुलामी के दौर में असम की उतनी पहचान नहीं थी। अब असम की मिट्टी और लोगों ने असम को ग्लोबल ब्रांड बना दिया है। भारत को आत्मनिर्भर होने के लिए ऊर्जा और सेमीकंडक्टर चाहिए। असम की इसमें बड़ी भूमिका है। आज हर इलेक्ट्रॉनिक चीज की आत्मा छोटी चिप में होती है। यह चिप भारत में ही बनेगी। सेमी कंडक्टर का बड़ा आधार असम को बनाया है। असम में 27 हजार करोड़ से प्रोजेक्ट बन रहा है। कांग्रेस ने असम में कई दशकों तक सरकार चलाई है। कांग्रेस ने असम को कुछ नहीं दिया। पीएम मोदी ने कहा कि पीएम मोदी ने कहा कि भाजपा असम को विकास और विरासत से समृद्ध बना रही है। असम की भाजपा सरकार नई शिक्षा नीति लागू कर रही है। कांग्रेस ने पूर्वोत्तर के महान सपूतों को सम्मान नहीं दिया। कांग्रेस ने कभी योद्धाओं को सम्मान नहीं दिया। भाजपा ने इनको सम्मान दिया। कांग्रेस ने जिसकी उपेक्षा की हम उसे अग्रिम पंक्ति में लेकर चल रहे हैं। असम में हमारी सरकार मां कामाख्या कॉरिडोर बना रही है। अब असम में पर्यटन का दायरा बढ़ रहा है। पीएम मोदी ने घुसपैठ का मुद्दा उठाते हुए कहा कि असम के सामने सबसे बड़ी चुनौती घुसपैठ है। कांग्रेस ने असम में घुसपैठ को बढ़ावा दिया है।

विकसित भारत में उत्तर पूर्व की अहम भूमिका

दरांग में आयोजित कार्यक्रम के दौरान अपने संबोधन में पीएम मोदी ने कहा कि 'पूरा देश आज विकसित भारत के निर्माण के लिए एकजुट होकर आगे बढ़ रहा है। खासतौर पर हमारे जो नौजवान साथी हैं। उनके लिए विकसित भारत सपना भी है और संकल्प भी है। इस संकल्प की सिद्धि में हमारे नॉर्थ ईस्ट की बहुत बड़ी भूमिका है।' प्रधानमंत्री ने कहा कि '21वीं सदी पूर्व की है, उत्तर पूर्व की है। उत्तर पूर्वी राज्यों के चमकने का समय आ गया है। किसी भी क्षेत्र के विकास में कनेक्टिविटी की अहम भूमिका होती है। हमारी सरकार उत्तर पूर्व में कनेक्टिविटी बढ़ाने के लिए समर्पित है। सड़कें, रेलवे और हवाई मार्गों का विकास किया जा रहा है। इससे लोगों की जिंदगी बदल रही है और उज्जवल भविष्य की राह बन रही है। प्रधानमंत्री ने कहा कि 'ये कांग्रेस वाले मुझे कितनी ही गालियां दे, मैं भगवान शिव का भक्त हूं, सारा जहर निगल लेता हूं।

क्या केंद्र का वक्फ कानून सही है?

आज सीजेआई की पीठ करेगी सुनवाई

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट सोमवार को वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं के एक समूह में अंतरिम राहत के मुद्दे पर अपना आदेश सुनाने वाला है। भारत के मुख्य न्यायाधीश बी आर गवई और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने कानून के प्रावधानों पर रोक लगाने की याचिकाओं पर 22 मई को अपना आदेश सुरक्षित रख लिया था। सुप्रीम कोर्ट की कार्यसूची के अनुसार, सीजेआई सोमवार, 15 सितंबर को सुबह 10.30 बजे वक्फ संशोधन अधिनियम, 2025 के रूप में पंजीकृत मामले में आदेश सुनाएंगे। अदालत ने तीन दिनों तक दलीलें सुनीं, जिसमें केंद्र ने तर्क दिया कि संसद द्वारा विधिवत पारित कानून के क्रियान्वयन पर रोक लगाने के लिए केवल कानूनी प्रस्ताव या काल्पनिक तर्क पर्याप्त नहीं हैं।

किन्नौर के सांगला बस स्टैंड के पास भूस्खलन प्रभावित क्षेत्र के किनारे पर सेब की पेटियों से भरा एक ट्रक अनिश्चित रूप से लटका हुआ है।

धीरेंद्र शास्त्री का संदेश

सामाजिक समरसता ही देश को बचाएगी

नई दिल्ली। बागेश्वर धाम सरकार आचार्य धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने उत्तर प्रदेश के वाराणसी स्थित भगवान विश्वनाथ मंदिर में दर्शन किए और कहा कि देश को बचाना है और अगर हम नहीं चाहते कि भारत की स्थिति हमारे पड़ोसी देशों जैसी हो, तो देश में सामाजिक समरसता का होना ज़रूरी है। आचार्य धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने कहा कि सामाजिक समरसता को बढ़ावा देने और भारत को हिंदू राष्ट्र बनाने के लिए वे 7 नवंबर से 16 नवंबर तक पदयात्रा करेंगे। अपनी पदयात्रा पर मीडिया से बात करते हुए शास्त्री ने कहा कि काशी आकर बहुत अच्छा लग रहा है। हम सामाजिक समरसता और भारत को हिंदू राष्ट्र बनाने के लिए 7 नवंबर से 16 नवंबर तक पदयात्रा करने जा रहे हैं। इसके लिए हमने आज भगवान विश्वनाथ के चरणों में प्रार्थना की। देश को बचाना होगा।

एथेनॉल के कारण ही जिंदा है चीनी उद्योग

गडकरी ने कहा इस विकल्प से गन्ना किसानों को मिलेगी राहत

मुंबई/ एजेंसी

पुणे में एक कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि भारत की चीनी उद्योग एथेनॉल की वजह से ही जिंदा बचा हुआ हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि अगर एथेनॉल का विकल्प सामने नहीं आता तो गन्ना किसान और चीनी मिलें बड़ी मुश्किल में होतीं। गडकरी ने यह भी कहा कि खेती में नई तकनीकों को अपनाना जरूरी है ताकि किसानों को भविष्य में पानी और लागत से जुड़ी परेशानियों का सामना न करना पड़े। गडकरी ने महाराष्ट्र के विदर्भ और मराठवाड़ा में किसानों की आत्महत्या की मुख्य वजह पानी की कमी बताई। उन्होंने कहा कि अगर किसानों को पर्याप्त पानी मिलता तो उन्हें इतना बड़ा कदम नहीं उठाना पड़ता। इस मौके पर गडकरी ने नाम फाउंडेशन के काम की सराहना की। यह संस्था नाना पाटेकर और मकरंद अनासपुरे के नेतृत्व में किसानों के बच्चों और जल संरक्षण के लिए काम करती है। भाजपा नेता गडकरी ने जोर देकर कहा कि खेती में तकनीक को लाना अब अनिवार्य हो गया है। उन्होंने बताया कि इस दिशा में कई प्रयोग पहले से ही शुरू हो चुके हैं। उनका मानना है कि नई तकनीकें ही किसानों की उत्पादकता और आमदनी बढ़ा सकती हैं। गडकरी ने कहा कि भारत हर साल करीब 22 लाख करोड़ रुपये का जीवाश्म ईंधन आयात करता है। एथेनॉल के इस्तेमाल से इस बोझ को कम किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि गन्ने की पैदावार और चीनी उत्पादन अधिक होने की वजह से चीनी उद्योग संकट में था, लेकिन एथेनॉल ने इसे संभाल लिया।

भारी बारिश के बीच भीषण लैंडस्लाइड, चार लोगों की मौत

गंगटोक। सिक्किम में भारी बारिश के बीच लैंडस्लाइड होने से 4 लोगों की मौत हो गई। तीन लोग अभी लापता बताए गए हैं। फिलहाल, लापता लोगों की तलाश के लिए बचाव अभियान जारी है। भारी बारिश के बीच प्रशासन ने जोखिम वाले क्षेत्रों के निवासियों से सतर्क रहने की अपील की है। जानकारी सामने आई है कि पश्चिम सिक्किम के यांगथांग विधानसभा क्षेत्र के अपर रिमबी में गुरुवार देर रात यह घटना हुई। सूचना मिलने के बाद पुलिस, स्थानीय लोगों और सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) के जवानों ने मिलकर राहत और बचाव अभियान शुरू किया। इसी बीच, पुलिस ने उफनती हुम नदी पर पेड़ों के तनों से एक अस्थायी पुल बनाकर दो घायल महिलाओं को बचाया।

जंगलराज पर नड्डा ने आरजेडी को घेरा

तेजस्वी यादव से पूछा-लालू के बयानों पर कब मांगेंगे माफी....

नई दिल्ली/ एजेंसी

भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा आज बिहार दौरे पर हैं। बिहार में एक कार्यक्रम के दौरान नड्डा ने कहा कि बिहार के बारे में चर्चा करें तो दो तस्वीर सामने आती है,- एक अंधकारमय बिहार और दूसरा उजाले की ओर बढ़ता बिहार। पहले वोटबैंक के लिए तुष्टिकरण की राजनीति होती थी, हर काम में भ्रष्टाचार होता था, हत्या-अपहरण आम बात हो गई थी। आज एनडीए सरकार में बिहार प्रगति के पथ पर अग्रसर है। उन्होंने दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री नीतीश जी नेतृत्व में बिहार कई बड़े बदलाव हुए हैं। मुझे खुशी है कि महिला सशक्तिकरण में बिहार ने अपने आप को साबित किया है। जेपी नड्डा ने विपक्ष पर वार करते हुए कहा कि नेता सिर्फ सत्ता के भूखे हैं, यही इनका विजन और मिशन है। उन्हें सिर्फ अपने स्वार्थ से मतलब है, बिहार या भारत की जनता से कोई मतलब नहीं। उन्होंने कहा कि विकास के नाम पर लालू यादव कहते थे- रोड बना देंगे तो पुलिस जल्दी पहुंच जाएगी और जानवरों के खुर खराब हो जाएंगे। पलायनवाद पर लालू महिमामंडन करते थे- बिहार का लोग गमछा पहनकर जाता है, सूट पहनकर लौटता है। आज तक राजद ने माफी नहीं मांगी! भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि कांग्रेस और बाकी विपक्ष ने राजनीति को निम्नतम स्तर पर पहुंचा दिया है। पहले इनके मंच से मोदी जी की माता जी को गालियां दी गई और कल कांग्रेस का जो वीडियो आया है वो इस बात का प्रमाण है कि उनकी सोच कितनी गंदी है।

सुशीला कार्की ने प्रधानमंत्री पद का कार्यभार संभाला

मैं और मेरी टीम सत्ता का स्वाद चखने नहीं आए-सुशीला कार्की

काठमांडू/ एजेंसी

नेपाल की नवनियुक्त अंतरिम प्रधानमंत्री सुशीला कार्की रविवार सुबह 11 बजे सिंह दरबार में आधिकारिक रूप से कार्यभार संभाल लिया। पूर्व मुख्य न्यायाधीश कार्की को शुक्रवार रात को अंतरिम सरकार की प्रधानमंत्री के रूप में नियुक्त किया गया था। इसके साथ ही प्रधानमंत्री सुशीला कार्की रविवार को अपने मंत्रिमंडल का विस्तार कर सकती हैं। वह मंत्रियों के नामों को अंतिम रूप देने में अपने सहयोगियों के साथ विचार-विमर्श कर रही हैं। बताया जा रहा है कि मंत्रिमंडल का विस्तार छोटा होगा। अंतरिम प्रधानमंत्री का पदभार संभालने के बाद सुशीला कार्की ने कहा, हिंसा में शामिल लोगों की जांच की जाएगी। मैं और मेरी टीम यहां सत्ता का स्वाद चखने नहीं आए हैं। हम छह महीने से अधिक नहीं रुकेंगे। हम नई संसद को जिम्मेदारी सौंप देंगे। आपके सहयोग के बिना हमें सफलता नहीं मिलेगी। उन्होंने कहा कि, नेपाल में 24 घंटे की आवाजाही पहली प्राथमिकता है। वे आर्थिक समानता और भ्रष्टाचार उन्मूलन की मांग कर रहे हैं। वहीं दूसरी ओर पीएम कार्की गृह, विदेश और रक्षा समेत लगभग दो दर्जन मंत्रालय अपने पास रख सकती हैं। मंत्रिमंडल विस्तार की चर्चाओं के बीच शनिवार को समय निकालकर वह सरकार विरोधी प्रदर्शन में घायलों से मिलने सिविल अस्पताल भी गईं थीं। शुक्रवार को शपथ लेने के तुरंत बाद भी वह अस्पताल जाकर घायलों का हाल जाना था। काठमांडू पोस्ट के मुताबिक, कार्की ने अपने मंत्रिमंडल को अंतिम रूप देने की तैयारी के लिए जेन

जी आंदोलन के करीबी सलाहकारों और प्रमुख हस्तियों के साथ परामर्श शुरू कर दिया है। उनके एक सहयोगी ने दावा किया है कि कार्की रविवार सुबह अपने मंत्रिमंडल के गठन के लिए गहन चर्चा शुरू करेंगी। सभी 25 मंत्रालयों पर अधिकार रखने के बावजूद वह कथित तौर पर 15 से अधिक मंत्रियों के साथ एक सुव्यवस्थित मंत्रिमंडल बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। काठमांडू पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार मंत्री पदों के लिए जिन नामों पर विचार किया जा रहा है। उनमें कानूनी विशेषज्ञ ओम प्रकाश आर्यल, पूर्व सेना अधिकारी बालानंद शर्मा, सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति आनंद मोहन भट्टाराई, माधव सुंदर खड़का, अशीम मान सिंह बसन्यात और ऊर्जा विशेषज्ञ कुलमन घीसिंग शामिल हैं। चिकित्सा क्षेत्र से डॉ. भगवान कोइराला, डॉ. संदुक रुइत, डॉ. जगदीश अग्रवाल और डॉ. पुकार चंद्र श्रेष्ठ जैसे प्रमुख लोगों के नामों पर विचार चल रहा है। काठमांडू पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, जेनरेशन जेड के सदस्य भी समानांतर परामर्श कर रहे हैं। इसके लिए वह ऑनलाइन वोटिंग का भी सहारा ले रहे हैं। अगर इन नामों पर आम सहमति बन जाती है, तो मंत्रिमंडल रविवार शाम तक शपथ ले सकता है, हालांकि चर्चा के नतीजों के आधार पर इसे सोमवार तक के लिए भी टाला जा सकता है। नेपाल के राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल ने शुक्रवार को नव नियुक्त अंतरिम प्रधानमंत्री सुशीला कार्की की सिफारिश पर देश की संसद (प्रतिनिधि सभा) को भंग कर दिया था।

नेपाल में धीरे-धीरे सामान्य हो रहा जनजीवन

कई दिनों की अशांति के बाद नेपाल में अब धीरे-धीरे जनजीवन सामान्य हो रहा है। काठमांडो घाटी समेत देश के अन्य हिस्सों से शनिवार को कर्फ्यू और प्रतिबंधात्मक आदेश हटा लिया गया। दुकानें, किराना स्टोर, सब्जी बाजार और शॉपिंग मॉल दोबारा खुल गए हैं। सड़कों पर भी वाहनों की चहल-पहल बढ़ गई है। मीडिया रिपोर्ट में कहा गया है कि सेना ने प्रतिबंधात्मक आदेश या कर्फ्यू को शनिवार से आगे नहीं बढ़ाया है। प्रतिबंध हटने के साथ ही सार्वजनिक परिवहन सेवा पुनः शुरू हो गई। काठमांडू से देश के कई भागों के लिए लंबी दूरी की बसों का संचालन भी शुरू हो गया है। हालांकि, काठमांडू के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बिश्वो अधिकारी के अनुसार, हालांकि काठमांडू घाटी के अधिकांश क्षेत्र अब प्रतिबंधों से मुक्त हैं, लेकिन संभावित विरोध प्रदर्शनों को रोकने और व्यवस्था बनाए रखने के लिए कुछ संवेदनशील क्षेत्रों में प्रतिबंध जारी रहेंगे।

संक्षिप्त समाचार

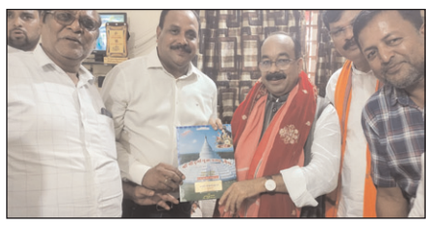

डिप्टी सीएम अरुण साव को नैला जांजगीर दूर्गा पूजा उत्सव ने दिया कार्यक्रम मे आने का आमंत्रण

दूर्गा पूजा उत्सव नैला जांजगीर ने विभिन्न विकास कार्यो के शिलान्यास कार्यक्रम मे जांजगीर पहुंचे प्रदेश के उप-मुख्यमंत्री अरुण साव को नैला जांजगीर दूर्गा पूजा उत्सव समिति माता रानी के परम सेवक राजेश पालीवाल के नेतृत्व मे वरिष्ठ भाजप नेता प्रशांत सिंह ठाकुर के निवास मे भेंट कर कार्यक्रम मे आमंत्रण देकर शामिल होने का आग्रह किया उनके साथ मे भाजपा जिला उपाध्यक्ष पंकज अग्रवाल समाजसेवी प्रदीप गोयल मनोज गुप्ता किशोर गुप्ता विक्रम पालीवाल संदीप शर्मा प्रदीप सोनी अमित मितल अंकित बसाईवाल संजय भोपालपूरिया सहित माता रानी के अनेक सेवक उपस्थित रहे

ब्रिलियंट पब्लिक स्कूल, बनारी, जाँजगीर में राष्ट्रीय हिंदी दिवस पर विशेष गतिविधि आयोजित

जांजगीर, //समय दर्शन //ब्रिलियंट पब्लिक स्कूल, बनारी, जाँजगीर में संस्था के संचालक श्री आलोक अग्रवाल एवं प्राचार्या श्रीमती सोनाली सिंह जी के निर्देशन में दिनाँक-13 सितंबर 2025 को ''राष्ट्रीय हिंदी दिवस'' मनाया गया। इस अवसर पर विशेष प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया। यह प्रार्थना सभा पूर्ण रूप से हिंदी में संपादित कराया गया। इस अवसर पर हिंदी विभाग के प्रभारी शिक्षिका श्रीमती हन्ना देवी द्वारा हिंदी भाषा के उत्थान, महत्व एवं प्रयोग विषय पर अपने विचार प्रस्तुत किए। उन्होंने राष्ट्रीय हिंदी दिवस की महत्ता को परिलक्षित करते हुए कहा कि सर्वप्रथम 14 सितंबर 1949 को संविधान सभा ने यह निर्णय लिया था कि हिंदी भाषा केन्द्र सरकार की आधिकारिक भाषा होगी। चूंकि भारत में अधिकतर क्षेत्रों में हिंदी भाषा बोली जाती थी, इसलिए हिंदी को राजभाषा बनाने का निर्णय लिया और इसी निर्णय के महत्व को प्रतिपादित करने तथा हिंदी को प्रत्येक क्षेत्र में प्रसारित करने के लिए वर्ष 1953 से पूरे भारत में 14 सितबर को प्रति वर्ष हिंदी दिवस के रूप में मनाया जाता है। उन्होंने एक सुंदर कविता के माध्यम से अपनी वाणी विराम दिया। संस्था के विद्यार्थियों के लिए भिन्न-भिन्न प्रकार की गतिविधियाँ भी आयोजित कराई गई। कक्षा-दसवीं के विद्यार्थी हर्षवर्धन सूर्यवंशी द्वारा हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में हिंदी की विशेषता को बताते हुए कविता प्रस्तुत किया गया। कक्षा में हिंदी की महत्ता विषय पर चित्रकला एवं नारा लेखन गतिविधि भी आयोजित कराई गई। सम्पूर्ण गतिविधि के सफल संचालन में संस्था के समस्त शिक्षक-शिक्षिकाओं, विद्यार्थियों, एडमिन स्टॉफ एवं ग्राउंड लेवल स्टॉफ का विशेष योगदान रहा।

यादव समाज बोरेदा परिक्षेत्र की हुई बैठक, शिक्षक मोहन यादव का किया सम्मान

पाटन। रविवार को पाटन राज ठेठवार यादव समाज बोरेंदा परिक्षेत्र की बैठक हुई। बैठक में सामाजिक चर्चा करते हुए ग्राम अखरा निवासी कुंज बिहारी यादव जो गंभीर रोग से ग्रसित हैं एवं उनके द्वारा समाज से आर्थिक सहयोग की अपेक्षा की गई है, उनको सर्व सम्मति से 5000 रु अक्षरी पांच हजार रुपए मात्र आर्थिक मदद करने पर सहमति बनी । साथ ही मोहन लाल यादव शिक्षक शासकीय प्रा शाला मलपुरी कला, वि ख धमधा निवासी ग्राम असोगा को शिक्षा विभाग जिला दुर्ग द्वारा मुख्यमंत्री गौरव अलंकरण पुरस्कार योजना अंतर्गत शिक्षादूत से सम्मानित किया। उन्हें बोरेदा परिक्षेत्र की ओर से भी पुष्प हार,शाल व श्रीफल भेंट कर सम्मान किया गया।

हिंदी पखवाड़ा समापन समारोह जवाहर नवोदय विद्यालय डोंगरगढ़ में गरिमामय ढंग से संपन्न

डोंगरगढ़। जवाहर नवोदय विद्यालय डोंगरगढ़ में हिंदी पखवाड़ा समापन समारोह 14 सितंबर को उत्साहपूर्वक एवं गरिमामय वातावरण में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ नगर पालिका डोंगरगढ़ के अध्यक्ष रमन डोंगरे, संकुल समन्वयक दिनेश कुरेटी एवं व्याख्याता श्री मनोहर द्वारा दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ हुआ।

इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य संजय कुमार मंडल ने सभी अतिथियों का पुष्प-गुच्छ भेंटकर स्वागत किया। पखवाड़े भर चले विविध कार्यक्रमों में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इन कार्यक्रमों में सुलेख लेखन, चित्रकला, सुंदरकांड वाचन, स्वरचित कविता लेखन, श्रुतलेखन, पुस्तक प्रदर्शनी, प्रश्नोत्तरी एवं नारा लेखन प्रमुख रहे।

मुख्य अतिथि श्री डोंगरे ने अपने संबोधन में हिंदी को राष्ट्रीय एकता एवं सांस्कृतिक पहचान का प्रतीक बताते हुए विद्यार्थियों से हिंदी के प्रचार-प्रसार का संकल्प लेने का आह्वान किया। प्राचार्य श्री मंडल ने कहा कि हिंदी हमारी आत्मा की भाषा है और इसका सम्मान करना हमारा कर्तव्य है।

कार्यक्रम में प्रतिभागी विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र एवं पुरस्कार प्रदान किए गए। साथ ही प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले शिक्षकों को भी सम्मानित किया गया।

समारोह में विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत कविता, भाषण, गीत एवं संगीत कार्यक्रम आकर्षण का केंद्र रहे। विशेष रूप से योगेश बोरकर, ईशा जनबंधु, खिलेंद्र, मधुलिका की प्रस्तुतियों ने सबका मन मोह लिया।

इस अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित पीजीटी इतिहास ओपी चौरसिया ने हिंदी भाषा के महत्व एवं विकास पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम की रूपरेखा हिंदी विभाग के शिक्षकों आरके चंद्रा, कमल दास एवं विमल चंद्र द्विवेदी द्वारा तैयार की गई थी। कार्यक्रम को सफल बनाने में विद्यालय के समस्त शिक्षक-शिक्षिकाओं श्री अशोक, ओम प्रकाश चौरसिया, श्री दिनकर, एसबी महाराणा, एसके वर्मा, टी. बरला, वेंकटेश भास्कर, श्रीमती जानकी बाई, मनु राज्य त्रिवेदी, स्नेह अग्रवाल, अनिल कुमार पॉल, कृष्ण कुमार चौरसिया, दीपचंद चौरसिया, रोशन कुमार चौरसिया, दादूराम, चंद्रकुमार धुर्वे, सचिन पटवा, मृदुल निगम, मनोज कुजूर, प्रहलाद मरकाम, खुशबू साहू, कंचन राठौर, प्रियंका, पूनम आदि का विशेष योगदान रहा।

कार्यक्रम का सफल संचालन हिंदी वाक्य अध्यक्ष रामकुमार चंद्रा, मास्टर मनीष कौशल एवं समीर नेताम द्वारा किया गया। समापन अवसर पर आभार प्रदर्शन विमल द्विवेदी ने किया।

विद्यालय के प्राचार्य संजय कुमार मंडल ने आए हुए सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया कि इस अवसर पर आकर उन्होंने बच्चों का उत्साह वर्धन किया।

कार्यक्रम में विद्यार्थियों एवं शिक्षकों की सक्रिय भागीदारी एवं उत्साह देखते ही बनता था। समारोह को भरपूर सराहना प्राप्त हुई।

श्रवण साहू बने छत्तीसगढ़िया क्रांति सेना बेमेतरा के जिला प्रवक्ता

साजा (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़िया क्रान्ति सेना बेमेतरा की वर्चुअल बैठक 12 सितम्बर को सम्पन्न हुई। इस बैठक में प्रदेश संगठन के मार्गदर्शन व जिलाध्यक्ष निलेश साहू के अनुशंसा पर श्रवण कुमार साहू को जिला प्रवक्ता का दायित्व सौंपा गया। गौरतलब है कि श्रवण साहू वर्तमान में साजा खड़ अध्यक्ष के पद पर कार्यरत हैं। अब उन पर संगठन ने दोहरा दायित्व सौंपकर उनके अनुभव व कार्यशैली पर विश्वास जताया है। श्रवण साहू लगातार जनसेवा व संगठन विस्तार में सक्रिय रहे हैं। वर्ष 2016 में उन्होंने अपने नेतृत्व में तत्कालीन प्रदेशाध्यक्ष अमित बघेल को गृहग्राम बुलाकर ऐतिहासिक सभा का आयोजन किया था। वे संगठन के वरिष्ठ नेताओं अमित बघेल (केन्द्रीय अध्यक्ष जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी) , डॉ. अजय यादव (प्रदेशाध्यक्ष छत्तीसगढ़िया क्रान्ति सेना) , गिरधर साहू और यशवंत वर्मा (महामंत्री) के करीबी माने जाते हैं।

इस नियुक्ति पर राजेंद्र पटेल, सूर्या सिंह चौहान, हेमराज यादव, जितेन्द्र सिंह राजपूत, राज साहू, त्रिलोक साहू, अजय साहू, सुनीव वर्मा, सूर्यकांत साहू सहित अनेक साथियों ने हर्ष व्यक्त करते हुए बधाई दी। अपनी नियुक्ति पर प्रतिक्रिया देते हुए श्रवण साहू ने कहा कि यह कोई ओहदा नहीं, बल्कि छत्तीसगढ़ महतारी, छत्तीसगढ़िया और छत्तीसगढ़ी के लिए सेवक के रूप में मुझे जिम्मेदारी दी गई है। मैं पूरे समर्पण और अथक प्रयास से संगठन को मजबूत करने का कार्य करूंगा। साथ ही संगठन के शीर्ष को आभार ज्ञापित किया।

शासकीय प्राथमिक शाला मलपुरीकला के शिक्षक मोहन यादव को मिला शिक्षा दूत सम्मान

दुर्ग (समय दर्शन)। धमधा विकासखंड के प्राथमिक शाला मलपुरी में कार्यरत शिक्षक ने शिक्षा के क्षेत्र में कई नए-नए नवाचार किये हैं. शिक्षा को बच्चों तक सहज सरल एवं मनोरंजक ढंग से सुलभ बनाया है. उन्होंने शिक्षा के स्तर को सामुदायिक सहभागिता के माध्यम से ऊँचा उठाया है. विद्यालय मे सहायक शिक्षण सामग्री द्वारा खेल खेल में शिक्षा,मुस्कान पुस्तकालय,प्रिंट रीच,वृक्षारोपण,किचन गार्डन, खेलकूद, आदि उल्लेखनीय कार्यक्रम किया है.उक्त उत्कृष्ट कार्यों के चलते सहायक शिक्षक मोहन यादव को शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव एवं दुर्ग लोकसभा क्षेत्र के लोकप्रिय सांसद विजय बघेल ने अपने करकमलों से शिक्षादूत पुरस्कार से सम्मानित किया है. इस सम्मान से,शाला परिवार, विकास खण्ड शिक्षा अधिकारी अथर्व शर्मा, कैलाश साहु, श्रीमती संगीता देवांगन, बी आर वर्मा, सर प्राचार्य ऋचा साहू, कैलाश राजपूत, प्र पा प्रज्ञा शर्मा, प्र पा तुलेश ठाकुर, सहित समस्त शिक्षक गण,सरपंच श्रीमती शकुन्तला साहु, सहित पूरा अंचल गौरवान्वित है.उनके इस उपलब्धि पर सभी बधाई दी है।

बिर्रा पुलिस ने निवास ग्राम जाने में असमर्थ विचलित व आर्थिक रूप से कमजोर महिला को सकुशल परिजनों को सुपूर्द किया

जांजगीर चाम्पा पुलिस ने पुनः महिला के प्रति अपनी सहानुभूति एवं मानवीय आचरण को प्रदर्शित किया

जांजगीर/समय दर्शन //थाना बिर्रा पुलिस को सूचना मिला कि ग्राम घिवरा में एक अज्ञात महिला नहर किनारे है जो घिवरा क्षेत्रांतर्गत की नही है जिसकी सूचना पर थाना प्रभारी बिर्रा निरीक्षक जय कुमार साहू व महिला एवं अन्य बल के साथ मौके पर रवाना हुए पाया गया कि उक्त महिला थाना बिर्रा क्षेत्रांतर्गत की नही है जिससे महिला को थाना लाने पश्चात भोजन कराने के बाद पूछताछ करने पर पता चला की उक्त महिला का दिमागी संतुलन सही नही है जो अपने परिजनों के पास जाने में असक्षम थी जिसने बताया कि उसका नाम उत्तरा बाई मांझी पति स्व. रत्थु राम मांझी उम्र 30 वर्ष निवासी सिसरिंगा थाना धरमजयगढ़ जिला-रायगढ़ है जिसके एक पुत्र व एक पुत्री है पति रत्थुराम मांझी के मृत्यु उपरांत अत्यधिक विचलित होने से दिमागी संतुलन कमजोर होने से अपने निवास ग्राम सिसरिंगा जाने में सक्षम नही थी कि थाना बिर्रा पुलिस द्वारा थाना धरमजयगढ़ से संपर्क कर ग्राम सिसरिंगा सरपंच से संपर्क स्थापित कर महिला के परिजनों का पता लगाकर पुलिस अधीक्षक जांजगीरचाम्पा श्री विजय कुमार पाण्डेय (भापुसे.) के दिशा निर्देशन व प्रेरणा स्तोत्र से एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महोदय श्री उमेश कश्यप (रापुसे.) के मार्ग दर्शन में एवं श्रीमान् पुलिस अनुविभागीय अधिकारी श्री यदुमणी सिदार के पर्यवेक्षण में थाना प्रभारी बिर्रा निरीक्षक जय कुमार साहू द्वारा निजी चारपहिया वाहन व महिला आरक्षक ऋतु लहरे आरक्षक भुनेश्वर साहू के माध्यम से महिला को उसके गांव में परिजन के पास सकुशल सुपर्द किया।

संकुल नंदिनी खुंदिनी मे शिक्षक दिवस एवम बिदाई समारोह का आयोजन

होमन सिंह ठाकुर समय दर्शन नंदिनी अहिवारा। शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला नन्दिनी खुंदिनी में आज शिक्षक सम्मान और विदाई समारोह आयोजित हुआ।इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ग्राम पंचायत नंदिनी खुंदिनी के सरपंच श्रीमती खुशबू घनश्याम यादव के द्वारा मां शारदे दीप प्रज्ज्वलित करके किया गया। कार्यक्रम का संचालन प्रधान पाठक श्री सुरेश कुमार सिवारे ने किया । श्री वीरेन्द्र कुमार साहू एवं श्रीमती पूनम देवांगन शिक्षक जो युक्तिकरण से अन्यत्र शाला के लिए स्थानांतरित हुए है उनकी बिदाई साथ हि युक्तियुक्त करण से हमारे संकुल में आये शिक्षक श्री अरुण कुमार त्रिवेदी और श्री धर्मेंद्र कुमार टंडन सर का सम्मान किया । श्री साहू सर और श्रीमती देवांगन मैडम ने शाला एवम् बच्चो के लिए किए गए कार्यों , पालकों,समुदाय से जुड़ाव किस प्रकार से किया ये अपना अनुभव साझा किया।जो भाव विभोर कर दिया। श्री अरुण कुमार त्रिवेदी और श्री धर्मेंद्र कुमार टंडन ने भी अपने अनुभव अपने पूर्व शाला एवं अपने वर्तमान शाला में कैसा रहा साझा किया। संकुल प्राचार्य श्री दुर्गेश कुमार मढ़रिया एवं सरपंच श्रीमती खुशबू घनश्याम यादव ने दोनो ही शिक्षको की कार्यशैली का बखान किए।श्री वीरेंद्र कुमार साहु ने अपने संकुल समन्वयक पद पर रहते हुए स्कूल के प्रति समर्पण ,शाला विकास के लिए किए गए कार्यों का उल्लेख किया।बच्चो का प्रेम शिक्षक के लिए देखते ही बन रहा था,शिक्षक का सम्मान बच्चे ही है।संकुल समन्वयक श्री ओमप्रकाश यदु के द्वारा आभार व्यक्त किया गया।इस कार्यक्रम में ग्राम पंचायत नंदिनी खुंदिनी के सरपंच श्री मती खुशबू घनश्याम यादव ,उपसरपंच श्री कैलाश नाहटा, एसएमसी अध्यक्ष श्रीमती तारा पटेल,संकुल प्राचार्य श्री दुर्गेश कुमार मढ़रिया,प्रधान पाठक सुरेश कुमार सिवारे,विकास कुमार धल्ले,चंद्र मोहन बंसल,राजाराम मनहरे,योगेंद्र कुमार बन्छोर साथ हि संकुल के समस्त शिक्षक गण और स्कूली छात्रों की उपस्थिति रहे,बहुत ही सुंदर कार्यक्रम का आयोजन हुआ,कार्यक्रम के लिए धन्यवाद देते हुए सीएसी ओमप्रकाश यदु ने बच्चो और शिक्षको को गुणवत्तापूर्ण शिक्षण के लिए आपेक्षा किए और सबको शुभकामनाओं के साथ मंगलकामनाएं दिये।यह संकुल स्तरीय बिदाई एवं सम्मान समारोह कार्यक्रम आयोजन संकुल प्रभारी ,संकुल समन्वयक और संकुल के समस्त सम्मानित शिक्षकों के द्वारा किया गया ।

शिक्षक स्वाभिमान दिवस पर बसना क्षेत्र के साहित्यकार हुए सम्मानित

बसना (समय दर्शन न्यूज)। शिक्षक स्वाभिमान दिवस और राष्ट्रीय हिन्दी दिवस के अवसर पर रविवार 14 सितम्बर 2025 को गोंडवाना भवन धमतरी में प्रादेशिक सम्यक प्रबोधन, काव्य गोष्ठी एवं प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन दोपहर 12 बजे से किया गया ।

किसी धन पिशाच कारपोरेट, जन विरोधी सरकारों और संदिग्ध श्रोतों वाले संस्थानों पर साधनों के लिए मोहताज हुए बिना समता साहित्य अकादमी छ.ग. राज्य इकाई का लगातार 40 वर्षों से बिना किसी अवरोध या विराम के वैचारिक पहल जारी रखने वाले समता साहित्य अकादमी के द्वारा शिक्षकों, कवि, लेखको, साहित्यकारों, पत्रकारों, लोक कलाकारों व सामाजिक कार्यकर्ताओं आदि प्रतिभाओं को दिए जा रहे सम्मान-अवार्ड ने सिर्फ गुणीजनों में ही नही, प्रबुद्ध दर्शकों और जागृत समाज में एक पहचान बना ली है।

इस समारोह में बसना विकासखंड से 2 एवं पिथौरा विकास खंड से 1 शिक्षक सुशील प्रधान, अमित कुमार भोई एवं लक्ष्मीधर प्रधान सम्मानित हुए

सम्मान श्रृंखला में प्रदेश के- शिक्षकों-श्रीमती राधारमणी मानिकपुरी, श्रीमती सोनालिका माहतो, गोवर्धन लाल ठाकुर, किशोर कुमार मंडावी, संजीव मानिकपुरी, अभिषेक कुमार टंडन, कु.विनीता साहू, श्रीमती प्रभा मरकाम, डॉ.राधेश्याम पटेल, लक्ष्मीधर प्रधान, कु.निधि चोपकर, कु.प्रभा साहू, सागर दास मानिकपुरी, मनीदास मानिकपुरी, चुरामन दास मानिकपुरी को डॉ.राधाकृष्णन शिक्षक स्वाभिमान अवार्ड

शिक्षिकाओं-सुश्री उमा जाटव, सुश्री सृष्टि सरावगी, माधोराम कुंजाम, श्रीमती ममता वर्मा, कु.वैशाली सोनी, श्रीमती लेखा हिरवानी को सावित्री बाई फुले शिक्षिका अवार्ड तथा सामाजिक कार्यकर्ता-सुंदर दास मानिकपुरी, घीना राम मेहरा, सुश्री ललिता नेताम, श्रीमती रश्मि पटेल, गोकुल राम पटेल, सुशील प्रधान (शिक्षक), डॉ.खुमान सिंह ठाकुर को महात्मा ज्योतिबा फुले ज्ञान रत्न अवार्ड प्रदान किया ।

इसके अलावा सद्गुरू कबीर कौमी एकता अवार्ड के लिए मेष कुमार हिरवानी, विलास दास मानिकपुरी, महंत वल्लभदास मानिकपुरी, श्रीमती किरण मानिकपुरी, विक्रम दास मानिकपुरी, रघुवीर साहू, दिलहरन दास मानिकपुरी, संत नारायणा गुरू ज्ञान अवार्ड के लिए महेश कुमार साहू, युवराज सेन, मुन्ना ठाकुर, रतनदीप सोनी, संत गाडगे लोक शिक्षक अवार्ड के लिए शरद चोपकर, बाबा साहब डॉ.अंबेडकर समता अवार्ड के लिए डॉ.अजय कुमार सरोज, अमित कुमार भोई, लाला जगदलपुरी साहित्य रत्न अवार्ड के लिए जोगाराम कश्यप, दाऊ मंदराजी लोक कला रत्न अवार्ड के लिए गुरूदास मानिकपुरी, श्रीमती टोमिन बाई निषाद, भगवती प्रसाद साहू, दिलीप कुमार टिकरिहा, ओम प्रकाश मानिकपुरी, हरीश साहु, सांस्कृतिक दूत अवार्ड-राजूलाल सोनवानी, शहीद शंकर गुहा नियोगी क्रांतिवीर अवार्ड-पारस दास मानिकपुरी का चयन किया गया है। उल्लेखनीय है कि बीजापुर-बस्तर के शहीद पत्रकार मुकेश चन्द्राकर की स्मृति में उनकी निर्भीक, मैदानी तथा कॉर्पोरेट विरोधी जुझारू पत्रकारिता के लिए, जन पक्षधर पत्रकारिता को आगे बढ़ाने के लिए, उनकी पत्रकारिता की विरासत और सामाजिक बदलाव की चाहत को जारी रखने के लिए-रामाधार पटेल पत्रकार बलौदा बाजार, अनिल त्रिपाठी पत्रकार बेमेतरा, मोहम्मद सरवर रजा शेख पत्रकार गरियाबंद , दरवेश आनंद पत्रकार बालोद, प्रीतलाल कुर्रे पत्रकार रायपुर और गगन कुंभकार पत्रकार धमतरी को ''शहीद मुकेश चन्द्राकर पत्रकारिता अवार्ड-2025'' राज्य अलंकरण से सम्मानित किया गया । इस सम्मान समारोह में छत्तीसगढ़ मुक्ति मोर्चा के अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक जनक लाल ठाकुर (दल्ली राजहरा) मुख्य अतिथि रहे। जिला भदोही-उत्तर प्रदेश के प्रोफेसर डॉ.अजय कुमार सरोज, शहडोल मध्यप्रदेश के शिक्षक सुश्री सृष्टि सरावगी, राष्ट्रीय पनिका समाज विकास परिषद नई दिल्ली के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सुंदर दास मानिकपुरी, आदर्श शिक्षिका श्रीमती राधारमणी मानिकपुरी (भिलाई) विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस पूरे समारोह की अध्यक्षता अकादमी संरक्षक श्रीमती सुशीला देवी वाल्मीकि और प्रांताध्यक्ष जी.आर.बंजारे ''ज्वाला''कार्यक्रम का संचालन किया ।

करसाय ता बस्तर बरसाय ता बस्तर

उप मुख्यमंत्री द्वय अरुण साव और विजय शर्मा ने बस्तर ओलंपिक की तैयारियों की समीक्षा की

रायपुर। उप मुख्यमंत्री द्वय श्री अरुण साव और श्री विजय शर्मा ने बस्तर ओलंपिक की तैयारियों की समीक्षा की। उप मुख्यमंत्री श्री साव के नवा रायपुर स्थित निवास कार्यालय में आज आयोजित बैठक में पिछले वर्ष की तरह इस वर्ष भी बस्तर ओलंपिक का वृहद आयोजन करने इसकी रुपरेखा और व्यवस्थागत तैयारियों पर गहन चर्चा की गई। आगामी अक्टूबर-नवम्बर में होने वाले बस्तर ओलंपिक में तीन स्तरों विकासखंड, जिला और संभाग स्तर पर विभिन्न खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। इनमें बस्तर संभाग के सातों जिलों और 32 विकासखंडों के 40 हजार से अधिक खिलाड़ी भाग लेंगे। खेल और युवा कल्याण विभाग के सचिव श्री यशवंत कुमार, संयुक्त सचिव श्री सुखनाथ अहिरवार और संचालक श्रीमती तनूजा सलाम भी बैठक में शामिल हुईं।

उप मुख्यमंत्रीद्वय श्री अरुण साव और श्री विजय शर्मा ने बस्तर ओलंपिक की तैयारियों की समीक्षा की

उप मुख्यमंत्री तथा खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री अरुण साव ने बैठक में कहा कि बस्तर ओलंपिक केवल खेलों का आयोजन नहीं है, बल्कि विकास और खेल का संगम है। यह संगठित रूप से बस्तर के युवाओं के सशक्तीकरण और उनमें नेतृत्व के विकास की पहल है। राज्य सरकार इन रचनात्मक पहलों से बस्तर में भयमुक्त वातावरण बनाकर युवाओं को खेल और उत्सव से जोड़ना चाहती है। उन्होंने बस्तर ओलंपिक के सफल आयोजन के लिए विभिन्न विभागों के साथ समन्वय कर पुख्ता कार्ययोजना तैयार करते हुए आयोजन के ध्येय वाक्य 'करसाय ता बस्तर बरसाय ता बस्तर' (खेलेगा बस्तर जीतेगा बस्तर) को धरातल पर उतारने के निर्देश दिए। श्री साव ने यूथ आइकॉन घोषित किए गए पिछले वर्ष के विजेता खिलाड़ियों, बस्तर संभाग के सभी खेल अधिकारियों, पी.टी.आई., पंचायत सचिवों, 'बिहान' की महिलाओं और खेल संघों को सक्रियता से जोड़कर बस्तर ओलंपिक को जन-जन तक पहुंचाने को कहा।

उप मुख्यमंत्रीद्वय श्री अरुण साव और श्री विजय शर्मा ने बस्तर ओलंपिक की तैयारियों की समीक्षा की- उप मुख्यमंत्री तथा गृह मंत्री श्री विजय शर्मा ने बैठक में खेल एवं युवा कल्याण विभाग के अधिकारियों से कहा कि बस्तर ओलंपिक को यादगार बनाने सभी विभाग अपनी-अपनी भूमिका और कार्यों के अनुरूप जिम्मेदारियों का वहन करें। बस्तर के ज्यादा से ज्यादा खिलाड़ियों की भागीदारी उनका आत्मविश्वास बढ़ाएगी और सकारात्मक वातावरण तैयार करेगी। उन्होंने बस्तर ओलंपिक के आयोजन का व्यापक प्रचार-प्रसार करते हुए इसमें बस्तर के सभी गांवों के सभी बच्चों की भागीदारी सुनिश्चत करने को कहा। श्री शर्मा ने आयोजन की तैयारियों को मूर्त रूप देने जल्दी ही इससे जुड़े विभागों, अधिकारियों और संस्थाओं की बस्तर में भी बैठक आयोजित करने के निर्देश दिए जिससे की तैयारियों को और गति दी जा सके।

11 खेलों की स्पर्धाएं होंगी, नक्सल हिंसा के दिव्यांग और आत्मसमर्पित नक्सली भी दिखाएंगे अपना दमखम- विकासखंड, जिला और संभाग स्तर पर करीब डेढ़ महीने तक चलने वाले बस्तर ओलंपिक में 11 खेलों को शामिल किया गया है। जूनियर वर्ग में बालक और बालिकाओं तथा सीनियर वर्ग में महिला और पुरूषों के लिए प्रतियोगिताएं होंगी। नक्सल हिंसा के दिव्यांगों तथा आत्मसमर्पित नक्सलियों के लिए भी संभाग स्तर पर पुरूषों और महिलाओं के लिए प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। बस्तर ओलंपिक के दौरान एथलेटिक्स, तीरंदाजी, बैडमिंटन, फुटबॉल, हॉकी, वेटलिफ्टिंग, कराटे, कबड्डी, खो-खो, वॉलीबॉल और रस्साखींच में पूरे बस्तर के खिलाड़ी अपना खेल कौशल दिखाएंगे।

संक्षिप्त समाचार

शासकीय कर्मचारियों ने अपने जन्मदिन पर बच्चों के संग साझा की खुशियां

प्रोजेक्ट आओ बांटे खुशियां

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देशानुसार जिले में प्रधानमंत्री पोषण शक्ति योजना और न्योता भोज के अंतर्गत संचालित अभिनव पहल प्रोजेक्ट आओ बांटे खुशियां के तहत रायपुर जिले के अधिकारी एवं कर्मचारी अब अपने जन्मदिवस को सामाजिक सरोकार से जोड़ते हुए नन्हें बच्चों संग खुशियां बांट रहे हैं। इसी कड़ी में अकाउंटेंट महिला एवं बाल विकास सुश्री कावेरी देवांगन, एमपीडब्लू ओमप्रकाश साहू, महिला एवं बाल विकास की सुपरवाइजर सुश्री प्रतिमा सिंह ने अपने जन्मदिन के अवसर पर आंगनबाड़ी तथा स्कूली बच्चों के साथ विशेष समय बिताया। बच्चों के साथ केक काटा तथा उन्हें फल, मिठाई, पौष्टिक आहार वितरित की। प्रोजेक्ट के तहत कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह द्वारा जिले के 14 कर्मचारियों को जन्मदिन की पूर्व संध्या पर एसएमएस और ई-कार्ड के माध्यम से शुभकामनाएं भेजी गई और उन्हें पास के आंगनबाड़ी या विद्यालय में बच्चों संग जन्मदिन मनाने हेतु प्रेरित किया गया।

रायपुर के निर्वेद ने जीता गोल्ड मेडल

रायपुर। रायपुर के निर्वेद कश्यप ने वाराणसी में आयोजित छटवीं नेशनल थाईबाक्सिंग चैम्पियनशिप 2025 में 40 किलो वेट केटेगरी में गोल्ड मेडल प्राप्त किया । थाईबाक्सिंग इंडिया, उत्तर प्रदेश ओलंपिक एशोसियशन द्वारा रिकोगनाईज एवं थाईबॉक्सिंग इंडिया फेडेरेशन द्वारा सेंक्शन रहा । निर्वेद कश्यप शिवोम विद्यापीठ में कक्षा 9 का छात्र है।

आंगनबाड़ी एवं स्कूलों में हृदय जांच जारी, 144 बच्चों का हुआ परीक्षण

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के निर्देशानुसार, जिला प्रशासन रायपुर द्वारा बच्चों के स्वास्थ्य को प्राथमिकता देते हुए चलाई जा रही प्रोजेक्ट धड़कन के अंतर्गत विशेष स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। इस अभिनव पहल का उद्देश्य है ङ्क बच्चों में जन्मजात हृदय रोग की समय रहते पहचान कर उन्हें बेहतर और नि:शुल्क उपचार उपलब्ध कराना। कलेक्टर डॉ गौरव सिंह के मार्गदर्शन में आयोजित शिविर में बिरगांव के आंगनबाड़ी केंद्र क्रमांक 24 (सुभाष चौक) और केंद्र क्रमांक 25 (आजाद चौक) में कुल 144 बच्चों की स्वास्थ्य जांच की गई। इनमें से 46 बच्चे सुभाष चौक और 98 बच्चे आजाद चौक से थे। किसी भी बच्चे में जन्मजात हृदय रोग के लक्षण नहीं पाए गए। शिविर के दौरान बच्चों की जांच तेज धड़कन, वजन न बढ़ना, शरीर में नीलापन, बार-बार सर्दी-खांसी, सांस लेने में तकलीफ तथा स्तनपान के समय पसीना आने जैसे लक्षणों के आधार पर की गई। इस अभियान में सत्य साईं हॉस्पिटल के स्टाफ नर्स एवं प्रोग्राम ऑफिसर का विशेष सहयोग रहा। उनकी विशेषज्ञता और संवेदनशीलता ने इस प्रयास को सफल बनाने में अहम भूमिका निभाई।

कर्मचारियों को मिल रहा डिजिटल दक्षता का प्रशिक्षण

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की मंशा के अनुरूप 'प्रोजेक्ट दक्ष' जिले के शासकीय कार्यों को नई दिशा और गति प्रदान कर रहा है। इस पहल से अधिकारी-कर्मचारी डिजिटल सशक्तिकरण की ओर तेजी से कदम बढ़ा रहे हैं। आज कलेक्टोरेट स्थित बीपीओ मल्टीलेवल पार्किंग में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रधानपाठक और प्राचार्यों ने भाग लिया। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को कंप्यूटर और मोबाइल के मूल उपयोग, साइबर सुरक्षा, डेटा गोपनीयता, डिजिटल डॉक्यूमेंट प्रबंधन, ईमेल तथा अन्य आवश्यक ऑनलाइन टूल्स की जानकारी दी गई। 'प्रोजेक्ट दक्ष' का उद्देश्य कर्मचारियों को तकनीकी रूप से दक्ष बनाकर प्रशासनिक कार्यों में पारदर्शिता, गति और प्रभावशीलता लाना है। इस प्रयास से शासन-प्रशासन की कार्यप्रणाली और अधिक सरल, पारदर्शी एवं स्मार्ट बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया जा रहा है।

जिलों में रंगोली, क्विज, भाषण, मिलेट्स प्रदर्शनी सहित अनेक कार्यक्रमों का आयोजन

रायपुर। छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव के अंतर्गत जिला स्तर पर अनेक कार्यक्रमों का आयोजन का सिलसिला शुरू हो गया है। दुर्ग, जशपुर, बीजापुर, सूरजपुर, मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर और दंतेवाड़ा जिला प्रशासन की पहल पर आज रंगोली प्रतियोगिता, दिव्यांगजनों को सहायक उपकरण, महिला सशक्तीकरण और पोषण आहार मेला जैसे कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

दुर्ग जिले के आयुष विभाग द्वारा 'हर दिन हर घर आयुर्वेद' की थीम पर मिलेट्स प्रदर्शनी और बुजुर्गों का स्वास्थ्य परीक्षण तथा शहरी एवं अनेक संस्थाओं में मिलेट्स प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। सियान जतन कार्यक्रम में 60 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों का विशेष रूप से बी.पी. व शुगर वात रोगों का परीक्षण कर औषधि वितरण किया गया। मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले में बच्चों ने हर दिन हर घर आयुर्वेद विषय को अपनी कल्पनाशीलता के साथ चित्र के माध्यम से प्रस्तुत किया। डॉ. मेघा रानी गुप्ता ने बच्चों को स्वच्छता, सही नींद और पोषणयुक्त आहार की महत्ता के बारे में उपयोगी जानकारी दी, वहीं डॉ. पूर्णिमा सिंह ने बच्चों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया। स्वास्थ्य शिविर में 70 हितग्राहियों को आयुष्मान वय वंदन कार्ड का वितरण किया गया।

बीजापुर जिले में भोपालपट्टनम के गोटाइगुड़ा में दिव्यांगजनों को वॉकिंग स्टिक सहायक उपकरण वितरित किए गए। सूरजपुर जिले में राष्ट्रीय सेवा योजना के माध्यम से क्विज, भाषण एवं वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। दंतेवाड़ा जिले के आईटीआई गीदम में आयोजित रंगोली प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ के गौरवशाली इतिहास, विकास एवं संस्कृति पर प्रतिभागियों ने अपनी रचनात्मकता के माध्यम से प्रदेश की समृद्ध परंपराओं और विकास यात्रा को रंगों के माध्यम से जीवंत किया।

जशपुर जिले के आंगनबाडी केन्द्र तपकरा में पोषण माह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जिन बच्चों के आधार कार्ड नहीं बने है या ऐसी गर्भवती माताएं जिनका आधार कार्ड अपडेट नहीं हुआ है उन्हें आधार निर्माण एवं अपडेट करवाने की जानकारी दी गयी। इसी प्रकार जशपुरनगर में महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम में छात्राओं को महिलाओं से जुड़े कानूनी अधिकारों के साथ ही बाल विवाह रोकथाम, सखी वनस्टॉप सेंटर, महिला हेल्प लाइन नंबर की जानकरी दी गई।

मोह के बंधन से मुक्त होने पर ही मिलेगा सत्य : मनीष सागर

रायपुर। टैगोर नगर स्थित पटवा भवन में चातुर्मासिक प्रचवनमाला जारी है। शुक्रवार को उपाध्याय प्रवर युवा मनीषी मनीष सागरजी महाराज ने कहा कि मोह के बंधन से निकलने पर ही व्यक्ति सत्य तक पहुंचता है। सत्य तक पहुंच कर ही आनंद में रहता है। पर में सुख नहीं है। असली सुख स्व में है। व्यक्ति सत्य को समझ जाए तो कर्मों की निर्जरा करता है। हम सत्य को समझने की चेष्टा नहीं करते हैं। सत्य तक पहुंचने के लिए सत्य के करीब जाना होगा। प्रतिमा को परमात्मा मानते हैं और पूजा करते हैं। हमें परमात्मा का आलंबन लेकर भीतर के परमात्मा तक पहुंचना है।

उपाध्याय भगवंत ने कहा कि संसार में व्यक्ति की इच्छाएं कभी समाप्त नहीं होती। और अधिक पाने की चाह व्यक्ति को हमेशा सताती रहती है। व्यक्ति सिर्फ भावों की उत्पत्ति में ही नहीं फंसता बल्कि भावों के साथ चिपक जाता है। व्यक्ति इस चक्रव्यूह से निकल नहीं पता। भावों की उत्पत्ति ही दुख का कारण है। कर्म बंधनों से हटकर संसार के चक्रव्यूह से बाहर आ जाता है।

उपाध्याय भगवंत ने कहा कि व्यक्ति पाप करता है तो पाप को भोगता है। थोड़ा पुण्य इकट्ठा हो जाए तो सद्गति में जाता है। सद्गति में आकर इच्छाएं फिर पाप कराती है। व्यक्ति इस पाप पुण्य का बंध करते-करते संसार के चक्रव्यूह से निकल नहीं पाता। व्यक्ति पाप और पुण्य के जाल में उलझा रहता है और अंतत: वह संसार के चक्रव्यूह से निकलने में असमर्थ हो जाता है। यही उसे बार-बार भटकाता।

उपाध्याय भगवंत ने कहा कि व्यक्ति स्वार्थ और सम्मान इन दो के चक्कर में फंसे रहता है। स्वार्थ व सम्मान हमेशा वस्तुओं के लिए ही होता है। नहीं मिले तो स्वार्थ सताता है और मिल जाए तो सम्मान सताता है। व्यक्ति पहले कुछ नहीं होते हुए भी दुखी रहता है। उसे लोभ सताता रहता है। सब कुछ मिल गया तो भी दुखी रहता है। मिलने के बाद अहंकार सताता है। और आगे बढ़ने की लालसा सताती है। सम्मान का तनाव बना रहता है। व्यक्ति को ये दुख हमेशा सताए रहते हैं।

जिला प्रशासन की कार्यवाही : अभनपुर में अवैध अहाते हटाए गए

रायपुर। राजस्व विभाग, आबकारी विभाग एवं नगर पालिका अभनपुर के संयुक्त अभियान में अभनपुर उरला स्थित देशी-विदेशी मदिरा दुकानों के पास संचालित अवैध अहातों को हटाया गया। इस कार्रवाई में टीम प्रहरी का भी सहयोग रहा। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने कहा कि शासन की नीति के अनुसार केवल लाइसेंसी अहाते ही संचालित करने की अनुमति है। अवैध अहातों पर निरंतर करवाई की जाएगी। उल्लेखनीय है कि लाइसेंसधारी अहातों से प्राप्त शुल्क शासन के राजस्व के रूप में जमा होता है। वित्तीय वर्ष 2024-25 में रायपुर जिले के अहातों से 9,20,04,325 रुपये का राजस्व शासन को प्राप्त हुआ है।

अभनपुर में अवैध अहाते हटाए गए

आबकारी, राजस्व और टीम प्रहरी की संयुक्त कार्रवाई

रायपुर। राजस्व विभाग, आबकारी विभाग एवं नगर पालिका अभनपुर के संयुक्त अभियान में अभनपुर उरला स्थित देशी-विदेशी मदिरा दुकानों के पास संचालित अवैध अहातों को हटाया गया। इस कार्रवाई में टीम प्रहरी का भी सहयोग रहा। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने कहा कि शासन की नीति के अनुसार केवल लाइसेंसी अहाते ही संचालित करने की अनुमति है। अवैध अहातों पर निरंतर करवाई की जाएगी। उल्लेखनीय है कि लाइसेंसधारी अहातों से प्राप्त शुल्क शासन के राजस्व के रूप में जमा होता है। वित्तीय वर्ष 2024-25 में रायपुर जिले के अहातों से 9,20,04,325 रुपये का राजस्व शासन को प्राप्त हुआ है। इस कार्यवाही में तहसीलदार अभनपुर श्रीमती सीता शुक्ला, सहायक जिला आबकारी अधिकारी टेकबहादुर कुर्रे, आबकारी विभाग के उपनिरीक्षकगण श्रीमती नीलम स्वर्णकार, प्रकाश देशमुख, कौशल सोनी, श्रीमती मेधा मिश्रा, श्रीमती प्रीति कुशवाहा, अभनपुर थाना से उपनिरीक्षक भीम कुमार सोम तथा टीम प्रहरी से तसव्वुर अली एवं उनकी टीम उपस्थित रहे।

परिषद की गतिविधियों को अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाना चाहिए

दिव्यांग बच्चों की मदद के लिए समाज आगे आए : बृजमोहन अग्रवाल

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य बाल कल्याण परिषद की वार्षिक आमसभा का आयोजन गुरुवार को राजधानी रायपुर के 'वीमतारा' मधुपिले चौक, शांतिनगर स्थित सभागार में किया गया। इस अवसर पर परिषद के अध्यक्ष एवं वरिष्ठ भाजपा नेता बृजमोहन अग्रवाल ने समाज से आह्वान किया कि दिव्यांग बच्चों की मदद में सभी को आगे आना चाहिए और परिषद की गतिविधियों को अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाना चाहिए।

समाज की जिम्मेदारी : बृजमोहन अग्रवाल- अग्रवाल ने अपने संबोधन में कहा कि परिषद के कार्य सिर्फपरिषद तक सीमित न रहकर पूरे समाज की जिम्मेदारी हैं। उन्होंने कहा दिव्यांग बच्चों की सहायता के लिए समाज के हर वर्ग को सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। परिषद के वे सदस्य जो राज्य सरकार के विभिन्न आयोग और मंडलों में मनोनीत हुए हैं, उन्हें परिषद की योजनाओं और गतिविधियों में भागीदारी सुनिश्चित करनी चाहिए। स्पीच थेरेपी सेंटर और अन्य संस्थानों में अधिक से अधिक लोगों को लेकर जाएं, ताकि परिषद द्वारा किए जा रहे कार्यों की जानकारी समाज तक पहुंचे।

दीप प्रज्वलन से हुआ कार्यक्रम का शुभारंभ-आमसभा की शुरुआत दीप प्रज्वलन और माता सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण से हुई। इसके बाद परिषद के उपाध्यक्ष डॉ. अशोक त्रिपाठी और महासचिव चंद्रेश शाह ने बृजमोहन अग्रवाल का स्वागत शाल, श्रीफल और प्रतीक चिन्ह भेंट कर किया।

विभिन्न जिलों से आए पदाधिकारियों और सदस्यों, जिनमें दुर्ग से नथमल कोठारी, महासमुंद से विश्वनाथ पाणिग्रही, भाटापारा से अरुण छाबड़ा, कोरबा से मनोज शर्मा, जांजगीर-चांपा से दिव्यांश शेखर चंदेल, कबीरधाम से गेंददास वैष्णव, कांकेर से मनोज कुमार सिंह और राजनांदगांव से कुल प्रकाश व ढाल सिंह साहू ने भी पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया।

नए लोगो का विमोचन और रिपोर्ट प्रस्तुति- इस अवसर पर परिषद के नए लोगो का विमोचन किया गया। महासचिव चंद्रेश शाह ने वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। श्रीमती इंदिरा जैन ने ऑडिट रिपोर्ट और आगामी बजट का प्रस्ताव रखा। परिषद द्वारा संचालित संस्थाओं की उपलब्धियों और गतिविधियों को वीडियो क्लिपिंग के माध्यम से प्रदर्शित किया गया।

सम्मान और अभिनंदन- परिषद के पूर्व पदाधिकारियों और सदस्यों, जिन्हें छत्तीसगढ़ सरकार के आयोग/निगमों में जिम्मेदारी मिली है, का सम्मान किया गया। इनमें प्रमुख रूप से लोकेश कावड़िया, अध्यक्ष निशक्त जन वित्त एवं विकास निगम, सोमनाथ यादव, आयुक्त भारत स्काउट एवं गाइड, डॉ. सलीम राज, अध्यक्ष छत्तीसगढ़ राज्य वक्फबोर्ड, प्रफुल्ल विश्वकर्मा, अध्यक्ष लौह शिल्पकार विकास बोर्ड और अमरजीत सिंह छाबड़ा, अध्यक्ष अल्पसंख्यक आयोग को सम्मानित किया गया। इसके अलावा बालगृह कोंडागांव की बालिका रंजीता कोरेटी को खेलो इंडिया जूडो प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीतने पर सम्मानित किया गया।

सांस्कृतिक कार्यक्रम और भावुक पल- आमसभा के पूर्व बालगृह के बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। स्पीच थेरेपी से बच्चों में आई प्रगति के अनुभव अभिभावकों ने साझा किए और परिषद का आभार जताया। कार्यक्रम के अंत में परिषद के पूर्व कोषाध्यक्ष स्व. जे. पी. साबू और पूर्व कार्यकारिणी सदस्य स्व. शेखर चंदेल को श्रद्धांजलि दी गई। कार्यक्रम का संचालन संयुक्त सचिव राजेंद्र कुमार निगम ने किया। आभार प्रदर्शन श्रीमती सुनीता चंसोरिया द्वारा किया गया।

संपादकीय

जापान-भारत के बीच महत्वपूर्ण साझेदारी

जापान ने भारत में एक दशक में 10 हजार अरब येन (करीब 60 हजार करोड़ रुपये) के निवेश का लक्ष्य रखा है, और दोनों देशों ने महत्त्वपूर्ण खनिजों, रक्षा और प्रौद्योगिकी जैसे कई प्रमुख क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के लिए दस वर्षीय बड़ी रूपरेखा भी तैयार की है। दोनों पक्षों ने 13 प्रमुख समझौतों और दस्तावेज को अंतिम रूप दिया। महत्त्वपूर्ण बात यह है कि जापान ने यह फैसला व्यापार और शुल्क पर अमेरिकी ट्रंप प्रशासन की नीतियों के चलते वैश्विक पटल पर मची उथल-पुथल के बीच किया। भारत-जापान विशेष रणनीतिक और वैश्विक साझेदारी के विस्तार की घोषणाएं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उनके जापानी समकक्ष शिगेरू इशिबा के बीच शिखर वार्ता के बाद की गई। प्रधानमंत्री मोदी दो देशों-जापान और चीन-की अपनी यात्रा के पहले चरण में जापान पहुंचे थे जहां जापान के प्रधानमंत्री शिगेरू इशिबा के साथ शिखर वार्ता हुई। शिखर वार्ता के उपरांत प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि जापान की 'निर्बाध और खुले हिन्द-प्रशांत' की अवधारणा और इस बाबत भारत की सोच में गहरा सामंजस्य है। 'विजन महासागर' और हिन्द-प्रशांत महासागरों की पहल से भारत की सोच मुखर होती है। दोनों देश शांतिपूर्ण, समृद्ध और स्थिर हिन्द-प्रशांत क्षेत्र के लिए प्रतिबद्ध हैं। इसके साथ ही दोनों देशों के हिन्द-प्रशांत क्षेत्र के देशों के साथ मजबूत और व्यापक संबंध भी हैं। इसके चलते दोनों देशों को अपने साझा उद्देश्यों को अभिव्यक्ति देने के लिए हिन्द-प्रशांत देशों में से कुछ के साथ बहुपक्षीय प्रारूपों में संवाद करने में मदद मिलती है। बेशक, भारत और जापान ने अपनी विशेष रणनीतिक और वैश्विक साझेदारी में एक नये और सुनहरे अध्याय की मजबूत नींव रखी है। दो प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं और जीवंत लोकतंत्र के रूप में भारत-जापान की साझेदारी न केवल इन दोनों के लिए, बल्कि वैश्विक शांति और स्थिरता के लिए भी बहुत महत्त्वपूर्ण है। मौजूदा वैश्विक अस्थिरता के बरक्स जापान और भारत का परस्पर सहयोग बढ़ना इसलिए भी महत्त्वपूर्ण है क्योंकि दोनों के बीच हुए समझौतों से इस तथ्य की तस्दीक होती है कि मजबूत लोकतंत्र बेहतर दुनिया को आकार देने में स्वाभाविक साझेदार होते हैं। प्रधानमंत्री मोदी की इन दो प्रमुख एशियाई देशों की यात्रा ऐसे समय में हुई है, जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ नीति को लेकर भारत और अमेरिका के संबंधों में अचानक गिरावट आई है। ऐसे में जापान-भारत के बीच साझेदारी का फैसला बेशक, आस्त करने वाला है।

भागवत मर्यादा में बोलने को मजबूर

हरिशंकर व्यास

मोहन भागवत भला और क्या बोल सकते हैं? उस नाते प्रधानमंत्री मोदी को ले कर भागवत और ट्रंप की भावना का फर्क इतना भर है कि ट्रंप चाहे जो बोल सकते हैं लेकिन मोहन भागवत सत्ता के भय से मर्यादा में बोलने को मजबूर हैं। वे सलाह दे सकते हैं न कि यह अल्टीमेटम कि भाजपा का अध्यक्ष वहीं होगा जो संगठन चाहेगा। बावजूद इसके ट्रंप और भागवत एक से मनोभाव में हैं। मेरी धारणा है कि हजार वर्षों की गुलामी ने हिंदू को सत्ता से भयाकुल, सत्ता का भूखा और सत्ता की भक्ति के चरणदास डीएनए दे रखा है। मालिक के आगे बेबाकी से बोलने की हिम्मत नहीं होती। महज सलाह और सतही बातें कर सकते हैं। सो, संघ के सौ साल पूरे होने पर नरेंद्र मोदी ने बतौर स्वंयसेवक अपनी दक्षिणा देते हुए लाल किले से आरएसएस की तारीफ कर दी। इससे प्रांत स्तर के प्रचारकों, कार्यकर्ताओं, स्वंयसेवकों में यह जोश स्वाभाविक बना होगा कि देखो, लाल किले से प्रधानमंत्री ने संघ की वाह की। किसी में यह ख्याल नहीं बना होगा कि संघ के सौ साल होने पर भी प्रचारक सरकार के मुखिया मोदी-अमित शाह ने ग्यारह वर्षों में ऐंवे कईयों को भारत रत्न का सम्मान दे डाला लेकिन हिंदू राजनीति के आइडिया ऑफ इंडिया के प्रर्वतक सावरकर हों या हेडगेवार या गोलवलकर, देवरस में किसी को भी मोदी सरकार ने भारत रत्न नहीं दिया तो आखिर क्यों? सोचें क्यों? इसलिए कि स्वंय नरेंद्र मोदी अब सत्ता की बदौलत अपने को पृथ्वीराज चौहान की विरासत के हिंदू सम्राट, हिंदू राजनीति के प्रवर्तक, भगवान जब मानते हैं तो सावरकर, गोलवलकर जैसों का भला क्या अर्थ है? इसलिए इस बात (भले न मानें) को भी नोट रखें कि 2014 से मोदी-शाह ने भाजपा की संगठनात्मक नाल को लगभग काट दिया है। जेपी नड्डा ने जो कहा था वह मोदी-शाह की ही सोच है कि भाजपा स्वंय अब समर्थ है। आरएसएस की आवश्यकता नहीं है! तभी आरएसएस, भागवत सलाह देने से ज्यादा नहीं बोल सकते। मैं ट्रंप की चिढ़ का बुनियादी कारण यह मानता हूं कि मोदी ने अहसान नहीं माना। उनसे सीजफायर करवा लिया लेकिन उन्हें शांतिदूत कहने के बजाय यह बयानबाजी बनवाई कि सीजफायर में अमेरिका का क्या लेना-देना। मतलब सीजफायर अमेरिकी बीचबचाव के कारण नहीं, बल्कि मोदी की छप्पन इंची छाती, उनकी शूरवीरता के कारण थी, जिससे पाकिस्तान घबरा गया। उसके डीजीएमओ ने भारत के समवर्ती सेनाधिकारी को फोन कर लड़ाई रोकने की विनती की और भारत ने दया दिखलाते हुए सीजफायर की सहमति दी। मतलब भारत-पाकिस्तान की साझा सहमति से सीजफायर हुआ। ट्रंप का भला क्या मतलब! अर्थात मोदीजी के पराक्रम से प्रारंभ है और उन्हीं की इच्छा से अंत है। उनका यही मनोभाव आरएसएस, मोहन भागवत एंड पार्टी के प्रति भी है। आखिर आरएसएस है क्या! उसके कारण दिल्ली का तख्त नहीं मिला, बल्कि नरेंद्र मोदी ही वह वजह है, जिसे हिंदुओं ने अवतार की तरह दिल्ली की सत्ता गद्दी पर बैठाया। नतीजे में मोहन भागवत की जेड सुरक्षा, संघ का सत्ता भोग और संघ मशीनरी, प्रचारकों का वैभव सब अवतारी-अजैविक राजा की कृपा से बना हुआ है। उधर उनके चाणक्य, मुख्य पुजारी के नाते अमित शाह का भी यह सोचना स्वभाविक है कि वे चुनाव जीतवा रहे हैं तो भाजपा नाम की पार्टी का संगठन तो उनका जेबी होना चाहिए। संघ की सलाह, संघ की सोच से तो नब्बे वर्षों से हिंदू भटक रहे थे। सत्ताविहीन थे। 2014 में पृथ्वीराजजी-चाणक्यजी का अवतरण हुआ तो मोहन भागवत और उनके प्रचारकों का भाग्य बदला।

2030 तक दुनिया का हर पांचवां व्यक्ति बोलेगा हिंदी

प्रो. संजय द्विवेदी

भाषा संवाद संप्रेषण का सशक्त माध्यम है। मनुष्य को इसलिए भी परमात्मा की श्रेष्ठ कृति कहा जाता है कि वह भाषा का उपयोग कर अपने भावों को अभिव्यक्त करने में सक्षम है। यही विशेषता है, जो मनुष्य को अन्य प्राणियों से भिन्न करती है।

हिंदी एक बहुआयामी भाषा है। यह बात इसके प्रयोग क्षेत्र के विस्तार को देखते हुए भी समझी जा सकती है। यह अलग बात है कि हिंदी भाषा की बात करते समय हम सामान्यतः हिंदी साहित्य की बात करने लगते हैं। इसमें संदेह नहीं कि साहित्यिक हिंदी, हिंदी के विभिन्न आयामों में से एक है, लेकिन यह केवल हिंदी के एक बड़े मानचित्र का छोटा-सा हिस्सा है, शेष आयामों पर कम विचार हुआ है और व्यावहारिक हिंदी की पृष्ठभूमि पर विचार करते हुए तो और भी कम विमर्श हमारे सामने हैं। यदि हिंदी भाषा के आंतरिक इतिहास का उद्घाटन करना हो तो नामकरण ही उसका आधार बन सकता है। हिंदी, हिंदवी, हिन्दुई और दकिनी के विकास क्रम में यह स्पष्ट दिखाई देता है कि अलग-अलग समय में एक ही भाषा के भिन्न नाम प्रचलित रहे हैं। हिंदी भाषा का इतिहास लगभग एक हजार वर्ष पुराना है। यह करीब 11वीं शताब्दी से ही राष्ट्रभाषा के रूप में प्रतिष्ठित रही है। उस समय भले ही राजकीय कार्य संस्कृत, फारसी और अंग्रेजी में होते रहे हों, लेकिन संपूर्ण राष्ट्र में आपसी संपर्क, संवाद, संचार, विचार, विमर्श, जीवन और व्यवहार का माध्यम हिंदी ही रही है।

भारतेंदु हरिश्चन्द्र, स्वामी दयानन्द सरस्वती, महात्मा गांधी जैसे महापुरुषों ने राष्ट्रभाषा हिंदी के माध्यम से ही संपूर्ण राष्ट्र से सम्पर्क किया और सफलता हासिल की। इसी कारण आजादी के पश्चात संविधान-सभा द्वारा बहुमत से 'हिंदी' को राजभाषा का दर्जा देने का निर्णय किया था। जैसे-जैसे भाषा का विस्तार क्षेत्र बढ़ता जाता है, वो भाषा उतने ही अलग-अलग रूप में विकसित होना शुरू हो जाती है, यही हिंदी भाषा के साथ हुआ, क्योंकि यह भाषा पहले केवल बोलचाल की भाषा तक ही सीमित थी। उसके बाद साहित्यिक भाषा के क्षेत्र में इसे जगह मिली, और फिर समाचार-पत्रों में 'हिंदी पत्रकारिता' का विकास हुआ। अपनी अनवरत यात्रा के कारण स्वतन्त्रता के बाद हिंदी, भारत की राजभाषा घोषित की गई तथा उसका प्रयोग कार्यालयों में होने लगा और हिंदी का एक राजभाषा का रूप विकसित हुआ।

अगर हम आंकड़ों में हिंदी की बात करें तो 260 से ज्यादा विदेशी विश्वविद्यालयों में हिंदी पढ़ाई जाती है। 64 करोड़ लोगों की हिंदी मातृभाषा है। 24 करोड़ लोगों की दूसरी और 42 करोड़ लोगों की तीसरी भाषा हिंदी है। इस धरती पर 1 अरब 30 करोड़ लोग हिंदी बोलने और समझने में सक्षम हैं। 2030 तक दुनिया का हर पांचवा व्यक्ति हिंदी बोलेगा। यूएई और फिजी जैसे देशों में हिंदी को तीसरी राजभाषा का दर्जा प्राप्त है। हिंदी की देवनागरी लिपि वैज्ञानिक लिपि मानी जाती है, ऑक्सफोर्ड डिक्शनरी में 18 हजार शब्द हिंदी के शामिल हुए हैं, और सबसे बड़ी बात कि जो तीन साल पहले अंग्रेजी इंटरनेट की सबसे बड़ी भाषा थी, अब हिंदी ने उसे पीछे छोड़ दिया है। गूगल सर्वेक्षण बताता है कि इंटरनेट पर डिजिटल दुनिया में हिंदी सबसे बड़ी भाषा है।

अक्सर ये प्रश्न पूछा जाता है कि हिंदी ही हमारी राजभाषा क्यों? इसका जवाब बहुत पहले राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने दिया था। महात्मा गांधी ने किसी भाषा को राजभाषा का दर्जा दिये जाने के लिए तीन लक्षण बताए थे। पहला कि वो भाषा आसान होनी चाहिए। दूसरा प्रयोग करने वालों के लिए वह भाषा सरल होनी चाहिए। और तीसरा उस भाषा को बोलने वालो की संख्या अधिक होनी चाहिए। अगर ये तीनों लक्षण किसी भाषा में थे, हैं और रहेंगे, तो वो सिर्फहिंदी भाषा ही है। आज भाषा को लेकर संवेदनशील और गंभीरतापूर्वक विचार करने की आवश्यकता है। इस सवाल पर भी सोचना चाहिए कि क्या अंग्रेजी का कद कम करके ही हिंदी का गौरव बढ़ाया जा सकता है? जो हिंदी कबीर, तुलसी, रैदास, नानक, जायसी और मीरा के भजनों से होती हुई प्रेमचंद, प्रसाद, पंत और निराला को बांधती हुई, भारतेंदु हरिशचंद्र तक सरिता की भांति कलकल बहती रही, आज उसके मार्ग में अटकले क्यों हैं?

यदि हम सच में चाहते हैं कि हिंदी भाषा का प्रभुत्व राजभाषा के रूप में बना रहे, तो हमें इसके प्रचार-प्रसार को बढ़ावा देना होगा। सरकारी कामकाज में हिंदी को प्राथमिकता देनी होगी। ऐसे में भरोसा फिर उन्हीं नौजवानों का करना होगा, जो एक नए भारत के निर्माण के लिए तैयार हैं। जो अपनी जड़ों की ओर लौटना चाहते हैं। भरोसे और आत्मविश्वास से दमकते ऐसे तमाम चेहरों का इंतजार भारत कर रहा है। ऐसे चेहरे, जो भारत की बात भारत की भाषाओं में करेंगे। जो अंग्रेजी में दक्ष होंगे, किंतु अपनी भाषाओं को लेकर गर्व से भरे होंगे। उनमें 'एचएमटी' यानी 'हिंदी मीडियम टाइप' या 'वर्नाकुलर पर्सन' कहे जाने पर हीनता पैदा नहीं होगी, बल्कि वे अपनी भाषा से और अपने काम से लोगों का और दुनिया का भरोसा जीतेंगे। हिंदी और भारतीय भाषाओं के इस समय में देश ऐसे युवाओं का इंतजार कर है, जो अपनी भारतीयता को उसकी भाषा, उसकी परंपरा, उसकी संस्कृति के साथ समग्रता में स्वीकार करेंगे। जिनके लिए परंपरा और संस्कृति एक बोझ नहीं, बल्कि गौरव का कारण होगी। यह नौजवानी आज कई क्षेत्रों में सक्रिय दिखती है। खासकर सूचना-प्रौद्योगिकी की दुनिया में। जिन्होंने इस भ्रम को तोड़ दिया, कि सूचना-प्रौद्योगिकी की दुनिया में बिना अंग्रेजी के गुजारा नहीं है। ये लोग ही हमें भरोसा जगा रहे हैं। ये भारत को भी जगा रहे हैं। आज भरोसा जगाते ऐसे कई दृश्य हैं, जिनके श्रीमुख और कलम से व्यक्त होती हिंदी देश की ताकत है।

क्या भारत में भी बन सकते हैं नेपाल जैसे हालात? स्थितियाँ क्या इशारे कर रही हैं?

नीरज कुमार दुबे

नेपाल की राजनीतिक अस्थिरता और वहाँ बार-बार बदलती सरकारों को आधार बनाकर भारत के विपक्षी नेता यह कह रहे हैं कि भारत में भी ऐसे हालात हो सकते हैं। पहली नज़र में यह बयान साधारण राजनीतिक टिप्पणी लगता है, लेकिन गहराई से देखें तो इसके गंभीर निहितार्थ हैं। यह न केवल देश की जनता को असमंजस में डालने की कोशिश है बल्कि अराजकता को हवा देने का भी प्रयास है।

लोकतंत्र में असहमति और आलोचना स्वाभाविक है। लेकिन जब विपक्ष यह कहे कि भारत भी नेपाल जैसी अस्थिरता की ओर बढ़ रहा है, तो वह परोक्ष रूप से जनता को संदेश देता है कि सड़कों पर उतरकर हिंसा और तोड़फोड़ ही बदलाव का रास्ता है। इतिहास गवाह है कि जब भीड़ भड़कती है तो सबसे पहले निशाना सार्वजनिक संपत्ति बनती है– बसों को जलाना, सरकारी कार्यालयों पर हमला करना, रेलमार्ग रोकना। विपक्ष का यह बयान उसी मानसिकता को जन्म देने वाला है।

देखा जाये तो यह तुलना स्वयं में ही बेमानी है। भारत की लोकतांत्रिक जड़ें नेपाल की तुलना में कहीं अधिक मज़बूत हैं। यहाँ स्वतंत्र न्यायपालिका है, सक्रिय चुनाव आयोग है और जनता का भरोसा चुनावी प्रक्रिया में अटूट है। भारतीय मतदाताओं ने हमेशा स्पष्ट किया है कि परिवर्तन यदि होगा तो वह केवल मतदान से होगा, सड़क पर हिंसा से नहीं। ऐसे में विपक्ष का असली मक़सद यह प्रतीत होता है कि जनता में डर और असंतोष का माहौल बनाया जाए ताकि सरकार की वैधता पर सवाल खड़े हों। किंतु प्रश्न यह है कि क्या यह लोकतांत्रिक राजनीति है या केवल अवसरवादी रणनीति? लोकतंत्र में असहमति संविधान की मर्यादाओं में रहकर व्यक्त की जानी चाहिए, न कि अराजकता का वातावरण बनाकर।

भारत और नेपाल की तुलना ही गलत है- विपक्षी नेताओं को यह समझना होगा कि नेपाल और भारत की परिस्थितियों में ज़मीन-आसमान का फर्क़ है। भारत में संस्थाएँ सुदृढ़ हैं और जनता का विश्वास स्थिरता व विकास में है। नेपाल का हवाला देकर भारत को अस्थिर बताना केवल जनता को भड़काने का प्रयास है, जिसका अंतिम परिणाम राष्ट्रहित के विरुद्ध ही होगा। लोकतंत्र की असली ताक़त जनता का विश्वास और संवैधानिक प्रक्रिया में आस्था है। विपक्ष को यह समझना चाहिए कि भारत में परिवर्तन की राह हिंसा या अराजकता से नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक माध्यमों से ही निकलेगी।

इसके अलावा, नेपाल जैसा आंदोलन भारत में दोहराया जा सकता है या नहीं, इसका विश्लेषण कुछ बिंदुओं में करना ज़रूरी है। सबसे पहले नेपाल के संदर्भ को देखें तो वहां 2006 का जनआंदोलन (लोकतांत्रिक आंदोलन) राजशाही को समाप्त करके गणतंत्र लाने का कारण बना। उसके पीछे कुछ खास परिस्थितियाँ थीं। जैसे- लंबे समय से चली आ रही राजशाही और लोकतांत्रिक आकांक्षाओं का टकराव देखने को मिल रहा था। माओवादी विद्रोह और सशस्त्र संघर्ष से दबाव उपजा हुआ था। राजनीतिक दलों और जनता का राजशाही के ख़िलाफ़ व्यापक एकजुट होना भी एक कारण था।

वहीं भारत की परिस्थितियाँ नेपाल से बिल्कुल अलग हैं। भारत 1947 से ही एक लोकतांत्रिक गणराज्य है; यहाँ राजशाही जैसी व्यवस्था का अवशेष नहीं है। भारत का संविधान अत्यंत मज़बूत है और इसमें लोकतांत्रिक अधिकारों, संघीय ढांचे और न्यायपालिका की स्वतंत्रता को स्पष्ट सुरक्षा प्राप्त है। साथ ही भारत का राजनीतिक परिदृश्य बहुदलीय है, यहां विभिन्न विचारधाराओं को मंच मिलता है, जिससे असंतोष विद्रोह में बदलने से पहले ही संस्थागत रास्ता खोज लेता है। इसके अलावा, भारतीय सेना और सुरक्षा तंत्र राजनीतिक रूप से तटस्थ हैं, जबकि नेपाल में राजशाही का सीधा प्रभाव सेना पर था।

देखा जाये तो संवैधानिक संकट या राजशाही विरोध जैसा आंदोलन भारत में संभव नहीं है क्योंकि यहाँ राजशाही या निरंकुश शासन की गुंजाइश ही नहीं है। जनता के बड़े आंदोलन (जैसे 1975-77 का आपातकाल विरोध, 2011 का अन्ना हज़ारे आंदोलन, किसान आंदोलन आदि) भारत में हुए हैं और आगे भी हो सकते हैं। लेकिन ये आंदोलन संवैधानिक ढांचे के भीतर रहते हैं और सत्ता-परिवर्तन लोकतांत्रिक प्रक्रिया यानि चुनाव से ही होता है। भारत की विविधता, लोकतांत्रिक संस्थाएँ और संघीय ढांचा किसी एक समूह या विचारधारा को पूरे देश पर क्रांतिकारी ढंग से हावी होने नहीं देता।

भारत में बदलाव मतदान से ही आता है- देखा जाये तो भारत का लोकतंत्र दुनिया के सबसे जीवंत और विविध लोकतंत्रों में से एक है। यहाँ असहमति और विरोध प्रदर्शन लोकतांत्रिक परंपरा का स्वाभाविक हिस्सा रहे हैं। पिछले पाँच दशकों में कई ऐसे आंदोलन हुए जिन्होंने देश की राजनीति की दिशा बदल दी, लेकिन महत्वपूर्ण यह रहा कि ये बदलाव लोकतांत्रिक ढांचे के भीतर ही संपन्न हुए। यही वह अंतर है जो भारत को पड़ोसी देशों की उथल-पुथल से अलग करता है। 1975 में इंदिरा गांधी ने आपातकाल लागू किया, जिसमें नागरिक स्वतंत्रताएँ सीमित कर दी गईं। प्रेस सेंसरशिप, विपक्षी नेताओं की गिरफ्तारी और राजनीतिक दमन ने जनता में गुस्सा भर दिया। दो साल बाद जब चुनाव हुए तो जनता ने इंदिरा गांधी की सरकार को सिरे से नकार दिया। आपातकाल का विरोध साबित करता है कि भारत में जनता अंततः लोकतंत्र की बहाली और सत्ता परिवर्तन का सबसे बड़ा माध्यम है।

इसके अलावा, भ्रष्टाचार के ख़िलाफ़ अन्ना हज़ारे का जनांदोलन युवाओं और शहरी मध्यम वर्ग का प्रतीक बन गया। लाखों लोग सड़कों पर उतरे और जनलोकपाल की मांग गूँजने लगी। इस आंदोलन ने दिल्ली की शीला दीक्षित सरकार को सत्ता से हटा दिया और केंद्र में कांग्रेस नेतृत्व वाली तत्कालीन यूपीए सरकार के ख़िलाफ भी नाराजगी पैदा की। इसके परिणामस्वरूप आम आदमी पार्टी जैसी नई राजनीतिक शक्ति का उदय हुआ। इस तरह से सत्ता में बदलाव लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं के ज़रिए हुआ।

वहीं तीन कृषि कानूनों के विरोध में किसानों का लंबे समय तक चला आंदोलन भी भारतीय लोकतंत्र की परिपक्वता का उदाहरण है। लाखों किसान दिल्ली की सीमाओं पर डटे रहे, लेकिन आंदोलन लोकतांत्रिक ढांचे के भीतर ही चला। अंततः सरकार को तीनों कृषि कानून वापस लेने पड़े। यह घटना बताती है कि भारत में जनता शांतिपूर्ण और संगठित तरीके से सरकार की नीतियों को बदलने की ताक़त रखती है।

इन तीनों उदाहरणों से स्पष्ट है कि भारत में आंदोलन सत्ता को हिला सकते हैं, सरकारें बदल सकती हैं, लेकिन यह सब संविधान और लोकतंत्र की मर्यादा के भीतर होता है। न तो नेपाल जैसी राजशाही उखाड़ने की स्थिति बनी, न ही सैन्य हस्तक्षेप की। भारत की जनता लोकतांत्रिक मूल्यों में गहरी आस्था रखती है और यही भारत के राजनीतिक ताने-बाने की सबसे बड़ी शक्ति है। लोकतंत्र की यही खूबी है कि यहाँ असहमति बग़ावत नहीं बनती, बल्कि बदलाव का वैधानिक मार्ग प्रशस्त करती है।

स्थिरता भारत की सबसे बड़ी शक्ति- इसके अलावा, 2014 से अब तक भारत ने राजनीतिक स्थिरता का जो अद्भुत उदाहरण प्रस्तुत किया है, वह दुनिया के कई बड़े लोकतांत्रिक देशों और पड़ोसी राष्ट्रों की स्थिति से बिल्कुल अलग खड़ा होता है। दुनिया के सबसे अमीर देशों के समूह जी-7 पर नज़र डालें तो पिछले दस वर्षों में वहां नेतृत्व बदलने की परंपरा लगातार जारी रही है। अमेरिका में बराक ओबामा से लेकर ट्रम्प और बाइडेन और फिर ट्रम्प तक नेतृत्व बदला। ब्रिटेन में डेविड कैमरन से रिषि सुनक और अब कीर स्टारमर तक प्रधानमंत्री बदलते गए। इटली और जापान में भी प्रधानमंत्री बार-बार बदले। जर्मनी, कनाडा और फ्रांस में भी नेतृत्व का स्वरूप बदला। इन बड़े लोकतंत्रों में अस्थिरता सामान्य बात रही।

भारत के पड़ोसी देशों की स्थिति और भी नाटकीय रही। पाकिस्तान में प्रधानमंत्री कुर्सी का बार-बार बदलना अब चलन-सा हो गया है। नवाज़ शरीफ़, इमरान ख़ान और शहबाज़ शरीफ सभी इस दौर में आ-जा चुके हैं। श्रीलंका में आर्थिक संकट ने सरकारें हिला दीं, नेपाल में गठबंधन की राजनीति ने स्थिरता को ग्रहण लगा दिया और बांग्लादेश में भी राजनीतिक टकराव ने नेतृत्व को अस्थिर किया।

इन सबके बीच भारत ने 2014 से एक ही नेता नरेंद्र मोदी पर भरोसा जताते हुए स्थिरता की मिसाल कायम की है। जनता ने लगातार तीन बार उन्हें सत्ता सौंपी। मोदी की लगातार जीत केवल चुनावी रणनीति की सफलता नहीं, बल्कि उस विश्वास का प्रमाण है जो जनता उनके नेतृत्व में महसूस करती है। मोदी की राजनीति का मूल मंत्र है– जनता से सीधा संवाद, विकास की ठोस योजनाएँ और राष्ट्रहित में निर्णायक फैसले। स्वच्छ भारत से लेकर डिजिटल इंडिया और आत्मनिर्भर भारत तक, उनकी हर पहल ने जनता को जोड़ा है और भरोसा जगाया है। मोदी की कार्यशैली कर्मठ, दृढ़ और दूरदर्शी मानी जाती है। आलोचना के बावजूद उनकी छवि उस नेता की है जो सिर्फ़ बोलता नहीं, बल्कि काम करके दिखाता है।

बहरहाल, देखा जाये तो आज जब विश्व की बड़ी ताक़तें नेतृत्व की अस्थिरता से जूझ रही हैं, भारत का लोकतंत्र नरेंद्र मोदी के रूप में निरंतरता और विश्वास का प्रतीक बना हुआ है। यही वह राजनीतिक पूँजी है जिसने भारत को न केवल अपने भीतर स्थिर रखा है, बल्कि दुनिया में भी एक आत्मविश्वासी और सशक्त राष्ट्र के रूप में खड़ा किया है। यह सब मिलकर दिखाता है कि नरेंद्र मोदी सिर्फ एक राजनीतिक शक्ति नहीं हैं, बल्कि एक ऐसा नेतृत्व हैं जिसे जनता ने विश्वास के साथी के रूप में स्वीकार किया है और यही कारण है कि 2014 से भारत में शासन उनके हाथों में बना हुआ है और आगे भी बना रहेगा। इसलिए विपक्ष के जो लोग भारत में नेपाल जैसे घटनाक्रम का सपना देख रहे हैं उन्हें मुंगेरी लाल के हसीन सपने देखते रहने दीजिये। ऐसे सपने देखने वाले नेता ना तो जनता पर विश्वास करते हैं ना ही खुद पर इसलिए वह आपदा में अवसर की तलाश में हैं।

आपके नर्वस सिस्टम के लिए फायदेमंद है ओट्स

ओट्स यानी कि जौ या जई, एक प्रकार का खाद्य प्रदार्थ है, जिसे बहुत सारे अनाज को मिलाकर बनाया जाता है। ओट्स में कैल्शियम, फास्फोरस और पोटैशियम भरपूर मात्रा में पाया जाता है, इसलिए ये शरीर को कई प्रकार से फायदा करता है। आइए, जानते हैं ओट्स का नियमित सेवन कौन से सेहत और सौन्दर्य लाभ देता है -

- कैल्शियम, पोटेशियम, मैग्नीशियम और विटामिन-बी से भरपूर ओट्स आपके नर्वस सिस्टम के लिए बहुत फायदेमंद होता है, और आपको स्वस्थ बनाए रखने में मदद करता है।
- ओट्स में पाया जाने वाला इनोजिटॉल रक्त में वसा के स्तर को नियंत्रित करता है, और उसे बढ़ने नहीं देता। यह शरीर में उपस्थित अतिरिक्त वसा को भी कम करता है।
- ओट्स पेट संबंधी रोगों में भी काफी लाभ देता है। यह कब्ज को दूर कर, पेट खराब होने की समस्या से निजात दिलाने में सहायक है।
- प्रतिदिन अपने नाश्ते या खाने में ओट्स को शामिल करने से डाइबिटीज की समस्या में लाभ होता है, क्योंकि यह इंसुलिन के स्तर को नियंत्रित रखने में सहायक होता है।
- आपकी त्वचा को खूबसूरत बनाने के लिए भी ओट्स आपकी मदद कर सकता है। इससे बना फेस पैक चेहरे पर लगाने से त्वचा कोमल और स्वस्थ बनती है।
- ओट्स के चोकर में पर्याप्त मात्रा में फाइबर पाया जाता है, जो जल्दी पेट भरने के साथ-साथ आपके शरीर में उर्जा संचार करता है, और यह वजन कम करने में बेहद लाभप्रद है।
- कैंसर से बचाव के लिए ओट्स का प्रयोग किया जा सकता है। इसके प्रयोग से हृदय रोग होने का खतरा भी कम होता है क्योंकि यह हृदय की धमनियों में वसा को जमने से रोकता है।
- शरीर में गर्मी बढ़ने के कारण होने वाली समस्याओं जैसे चक्कर आना, दिल घबराना जैसी समस्याओं में ओट्स फायदेमंद है, क्योंकि इसकी प्रकृति ठंडी होती है।
- रूखी त्वचा या एक्जिमा जैसी तकलीफ में भी ओट्स सहायक होता है। ओटमील बाथ लेने से त्वचा की जलन समाप्त होती है और रूखापन भी खत्म हो जाता है।
- ओट्स को दूध में मिलाकर बनाए गए स्क्रब का प्रयोग करने से त्वचा की चमक बढ़ जाती है, और त्वचा लंबे संमय तक जवां और खूबसूरत दिखाई देती है।

आपके रूटीन को बेहतर बना सकती है किशमिश

बहुत से लोगों को सुबह उठने के बाद सुस्ती महसूस होती है, ऐसे में जागते तो हैं लेकिन थोड़ी ही देर बाद नींद आने लगती है। अगर आप सुबह पूरी एनर्जी के साथ उठना चाहते हैं तो किशमिश आपके रूटीन को बेहतर बना सकती है।

सुबह-सुबह उठना सेहत के लिए बहुत फायदेमंद होता है। अगर आपके रूटीन में सुबह जल्दी उठने की आदत है तो समझिए आपके सारे काम सही तरीके से बनते हैं। साथ ही आप तमाम तरह की सेहत संबंधी समस्याओं से भी दूर रहेंगे। हालांकि, मौजूदा दौर में इस आदत को बहुत कम लोग फॉलो कर पाते हैं। वजह साफ है, देर रात तक उनका वर्क या फिर किसी भी कारण जागना।

ऐसे में अगर आप सुबह जल्दी उठते हैं तो शरीर में एनर्जी नहीं रहती, लिहाजा आप फिर सो जाते हैं। लेकिन डायटीशियन और स्किन डॉक्टर श्रेया ने हाल इस समस्या के समाधान का एक रास्ता निकाला है जिसे फॉलो कर आप आसानी से सुबह उठने की आदत डाल सकते हैं। श्रेया के अनुसार, किशमिश का सेवन कर आप सुबह एनर्जी के साथ उठ सकते हैं।

सुबह के वक्त क्यों खानी चाहिए भीगी किशमिश

डायटीशियन- डॉक्टर श्रेया ने हाल ही में सुबह जल्दी उठने और भीगी हुई किशमिश खाने को लेकर एक पोस्ट शेयर किया है, जिसमें उन्होंने बताया कि वे क्यों सुबह जागने के बाद किशमिश खाती हैं। डॉक्टर पोस्ट के कैप्शन में लिखती हैं, 'मैं यहां एक डीएम यानी Direct Message का जवाब दे रही हूं। किसी ने मुझसे पूछा कि मैंने अब भीगी हुई किशमिश खाना क्यों शुरू कर दिया है? क्या मैं एक रात का उल्लू और अरली वर्ड यानी सुबह की सैर करने वाली पक्षी बन रही हूं।' किशमिश ऊर्जा, सूक्ष्म पोषक तत्वों - विटामिन बी, सी, आयरन, पोटेशियम और एंटीऑक्सिडेंट जैसे फेरुलिक एसिड, क्वेरसेटिन आदि से भरपूर होती है। इसके अतिरिक्त, इसमें आयरन, कैल्शियम और बोरॉन जैसे ट्रेस एंटीऑक्सिडेंट और खनिजों के साथ कुछ मात्रा में आहार फाइबर भी होते हैं। किशमिश मूल रूप से सूखे अंगूर हैं। इसलिए, वे अंगूर के अधिकांश पोषक तत्वों को बरकरार रखते हैं। आमतौर पर, साधारण चीनी के रूप में कार्बोहाइड्रेट, किशमिश का प्राइमरी कंपोनेंट होता है। किशमिश सुबह की भूख को दूर रखने में भी सहायक है! भिगोने के बाद फाइबर इसमें एक प्राकृतिक रेचक के रूप में कार्य करता है। यह हमें तब तक ऊर्जा प्रदान करता है, जब तक हमारा नाश्ता तैयार नहीं हो जाता। डायटीशियन कहती हैं कि जब आप अपने दिन की शुरुआत 5-6 भीगी हुई किशमिश खाने से करते हैं तो छोटी सी हैबिट आपके स्वस्थ्य के लिए फायदेमंद साबित होती है। बकौल डॉक्टर, 'मैं नहीं चाहती कि ऐसा हो, क्योंकि मैं अपनी लाइफ स्टाइल में सुबह उठने के रूटीन को फॉलो कर रही हूं, इसलिए मुझे अपनी बॉडी को ट्रेंड करने, अपने पेट के लिए एक नई घड़ी सेट करने, अपने पाचन तंत्र को संदेश देने की जरूरत है कि 'अरे, इसकी आदत डाल लें। किशमिश के एक छोटे से आहार के जरिए मैं नए समय में ढलने की कोशिश में हूं। यह मूल रूप से मेरे सिस्टम के लिए एक एक्टिवेटर की तरह काम करती है, यह मेरे पाचन तंत्र को जगाती है और इसके माध्यम से मेरा पूरा शरीर थोड़ी सी ऊर्जा के साथ जाग जाता है।' डॉक्टर ने कुछ ऐसे सवालों के जवाब दिए जो आपके दिमाग में अक्सर रहते हैं। वह कहती हैं कि 'इन सभी वर्षों के लिए मेरी सर्केडियन राइम दिन के बाद के वक्त के अनुसार निर्धारित की गई थी। जैसे मैं देर से उठती हूं तो देर से खाती हूं इसलिए स्वाभाविक रूप से देर से पचाती हूं, देर से सोती हूं और फिर उठती भी देर से हूं। अगले दिन और परसों इसी समयनुसार रूटीन चलता रहा है। मेरा शरीर इन समयों से अच्छे से परिचित है और अब इसे काफी पसंद करती हूं, क्योंकि इस रूटीन में सालों से ढल चुकी हूं। अगर मैं अपने खाने की आदतों में बदलाव किए बिना अचानक जल्दी उठना शुरू कर दूं, तो शरीर इसे लड़ने की कोशिश तो करेगा, क्योंकि यह बिना किसी फ्यूल यानी आहार के थक जाएगा और अंत में, मैं जल्दी उठने की आदत को छोड़ सकती हूं।'

हड्डियों के लिए फायदेमंद है टमाटर सूप

लाल लाल स्वादिष्ट टमाटर कई सब्जियों व डिश का अहम हिस्सा होते है। कच्चे टमाटर के अलावा उनका सूप भी बहुत ही स्वादिष्ट और पौष्टिक होता है। आमतौर पर खाने से पहले स्टार्टर के तौर पर लिए जाने वाले टमाटर सूप में विटामिन और एंटी-ऑक्सीडेंट्स होते हैं। जो आपको हेल्दी और फिट रखने में मदद करते हैं। आइए, जानते हैं टमाटर सूप पीने से सेहत को मिलने वाले गजब के फायदे

टमाटर सूप में विटामिन के और केल्शियम होता है जो हड्डियों को मजबूत रखता है। इसके अलावा शरीर में लाइकोपीन की कमी होने से भी हड्डियों पर तनाव बढ़ता है और टमाटर में काफी मात्रा में लाइकोपीन होता है, जो हड्डियों के लिए अच्छा होता है।

दिमाग को रखें दुरुस्त

टमाटर सूप में भरपूर मात्रा में कॉपर और पोटेशियम पाया जाता है, जिससे नर्वस सिस्टम ठीक रहता है और दिमाग को मजबूती मिलती है।

विटामिन की कमी करे पूरी

टमाटर सूप में विटामिन इ और ए अच्छी मात्रा में होता है। विटामिन इ, टिशू के विकास के लिए जरूरी होता है। कहते है कि शरीर में रोजाना 16% विटामिन इ और 20% विटामिन ए की जरूरत होती है और टमाटर सूप इसकी जरूरत को पूरा करता है।

वजन करे कम

टमाटर सूप को अगर ऑलिव ऑयल से बनाया जाए तो यह वजन घटाने में सहायक होता है, क्योंकि इसमें पानी और फाइबर की मात्रा ज्यादा होती है, जिससे आपको काफी समय तक भूख नहीं लगती।

कैंसर का खतरा करे कम

टमाटर सूप में लाइकोपीन और कैरोटोनॉयड जैसे एंटी-ऑक्सीडेंट होते हैं, जिससे कैंसर की आशंका कम हो जाती है।

ब्लड शुगर को करे नियंत्रण

डायबिटीज के मरीजों को डाइट में टमाटर सूप जरूर लेना चाहिए। इसमें क्रोमियम होता है, जो ब्लड शुगर को नियंत्रण में रखने में सहायक होता है।

रक्त प्रवाह को बढ़ाएं

टमाटर में सेलेनियम होता है, जो रक्त प्रवाह को बढ़ाता है जिससे एनिमिया का खतरा कम हो जाता है।

डाइट में शामिल करें ये मसाले कई बीमारियों से बचेंगे

इस मौसम में आपको अपनी डाइट में कुछ चीजें जरूरी रूप से शामिल करनी चाहिए। हम बात कर रहे हैं कुछ ऐसे मसालों के बारे में जिन्हें इस मौसम में खाने पर आप कई कई बीमारियों से बच सकते है

काली मिर्च

काली मिर्च आपको सर्दी, खांसी, कफ, पाचन संबंधी समस्याओं से बचा सकती है साथ ही यह म्यूकस को शरीर से बाहर निकालने में भी काफी मददगार साबित होती है।

दालचीनी

दालचीनी का सेवन इस मौसम में गला खराब होने से तो बचाएगा ही, कफ को निकालने में भी मदद करेगा। यह प्राकतिक तौर पर शरीर में गर्माहट पैदा करने में सहायक है जिससे आप सर्दी जनित समस्याओं से बच जाते हैं।

हल्दी

हल्दी इन दिनों में गर्माहट का अच्छा स्त्रोत है और यह एंटी बैक्टीरियल व एंटी फंगल गुणों से भरपूर है। गर्म दूध में हल्दी का सेवन तो अमृत के समान माना गया है।

अदरक

अदरक वाली चाय का मजा ही कुछ और होता है। इन दिनों में इसके फायदे भी आपके लिए दुगुने होते हैं, क्योंकि यह न केवल शरीर को गर्माहट देती है बल्कि मौसम की बीमारियों से आपको बचाती है। सूखी अदरक यानि सौंठ का सेवन भी इस मौसम में लाभकारी है।

लहसुन

लहसुन को भून कर खाने से सर्दी ठीक होती है, यह तो दादी मां के नुस्खों में से एक है। ऐसे कई फायदों में लहसुन से मौसमी बीमारियों का बचाव भी शामिल है।

अगर आप एक महिला हैं। घर-ऑफिस की जिम्मेदारी बराबर से संभाल रही हैं, तो समय आ गया है कि आप अपनी सेहत पर ध्यान दें। क्योंकि अब स्थिति पहले जैसी नहीं रही। कहीं ऐसा ना हो, कि भागदौड़ और काम के दबाव के चलते आप हार्ट अटैक और स्ट्रोक जैसी बीमारी की गिरफ्त में आ जाएं। सुनकर थोड़ी हैरत होगी, लेकिन यह बात हम नहीं कह रहे, बल्कि एक स्टडी में सामने आई है।

महिलाओं को दिल की बीमारी की चेतावनी का संकेत दे रहा है काम का तनाव

यूरोपीय स्ट्रोक संगठन में पेश किए गए एक अध्ययन के अनुसार, महिलाओं में काम के दबाव और नींद की कमी के चलते हार्ट अटैक और स्ट्रोक का खतरा बढ़ रहा है। आमतौर पर डायबिटीज , आरटियल हाइपरटेंशन, बढ़ा हुआ कोलेस्ट्रॉल , धूम्रपान और मोटापा हृदय रोग के जोखिम में शामिल हैं। अध्ययन के अनुसार, वर्क प्रेशर, तनाव, नींद संबंधी विकार के कारण हार्ट अटैक और स्ट्रोक के मामले पुरूषों के मुकाबले महिलाओं में तेजी से बढ़ रहे हैं। स्टडी के ऑथर कहते हैं कि परंपरागत रूप से पुरूषों को महिलाओं की तुलना में दिल के दौरे और स्ट्रोक से ज्यादा प्रभावित माना जाता है। लेकिन अब कुछ देशों में इस मामले में महिलाओं ने पुरूषों को पीछे छोड़ दिया है। अब काम का तनाव महिलाओं को दिल की बामारी की चेतावनी का संकेत दे रहा है।

तनाव और थकावट है कारण

अध्ययन में पाया गया कि भले ही पुरूषें में महिलाओं की तुलना में धूम्रपान करने और माटे होने की संभावना ज्यादा थी, लेकिन हार्ट अटैक और स्ट्रोक के मामले सबसे ज्यादा महिलाओं में देखे गए। यूनिवर्सिटी हॉस्पीटल ज्यूरिख के न्यूरोलॉजिस्ट और उनकी टीम का कहना है कि महिलाओं में इन गंभीर बीमारियों में वृद्धि होने की वजह वर्कप्लेस पर ज्यादा काम का तनाव, नींद संबंधी विकार और थकावट है। चौकाने वाली बात ये है कि इन बीमारियों का जोखिम फुल टाइम जॉब करने वाली महिलाओं में सबसे ज्यादा देखा गया है। टीम के अनुसार, ऑफिस में फुल टाइम जॉब करने वाली महिलाओं पर घर और ऑफिस की जिम्मेदारी निभाने का दबाव उन महिलाओं के मुकाबले ज्यादा रहता है, जो तीन से चार घंटे की नौकरी करती हैं।

थकान और नींद संबंधी विकारों में हुई वृद्धि

रिसर्चर्स ने हेल्थ सर्वे में 22000 महिलाओं और पुरूषों के डाटा की तुलना की। इसमें उन्होंने पाया कि कार्डियोवस्कुलर डिसीज के लिए गैर पारंपरिक जोखिम वाले कारकों की रिपोर्ट करने वाली महिलाओं की संख्या में खतरनाक रूप से वृद्धि हुई। कुल मिलाकर काम के दौरान स्ट्रेस लेने वाले पुरूष और महिलाओं की संख्या 2020 में 59 प्रतिशत से बढ़कर 2023 में 66 प्रतिशत हो गई। जबकि काम के बाद थकान महसूस करने वालों की संख्या 23 प्रतिशत से बढ़कर 29 प्रतिशत हो गई। इस अवधि में नींद संबंधी विकारों की संख्या 24 प्रतिशत से बढ़कर 29 प्रतिशत तक की वृद्धि देखी गई। नींद संबंधी विकार के मामले जहां पुरूषों में 5 प्रतिशत बढ़े, वहीं महिलाओं में 8 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी हुई है।

इस रिसर्च के बाद यह तो साफ है कि अब हार्ट अटैक और स्ट्रोक पुरूषों से जुड़ी बीमारी नहीं रही, बल्कि अगर ध्यान न दिया जाए, तो काम के दबाव के चलते महिलाओं में भी इन गंभीर बीमारियों का जोखिम बढ़ सकता है। विशेषज्ञों के अनुसार, ऐसे हालातों से बचने के लिए महिलाओं को काम करते हुए कम तनाव और अच्छी नींद लेने की बहुत जरूरत है।

संक्षिप्त समाचार

डॉ आलोक दीक्षित ने पूरी की 100 किलोमीटर की अल्ट्रा मैराथन

कट ऑफसमय से 9 घंटे पहले ख़त्म की दौड़

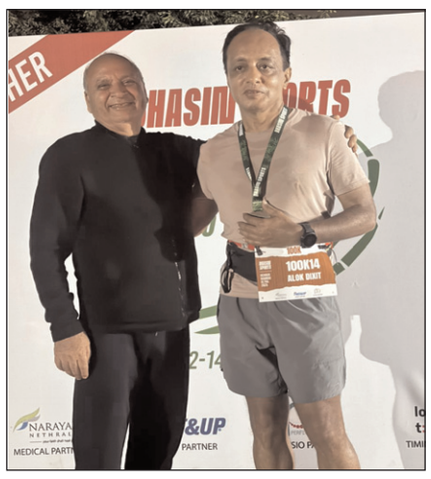

दुर्ग। भसीन स्पोर्ट्स द्वारा बैंगलोर के पास मरसांद्रा के जंगल में अल्ट्रा मैराथन का आयोजन किया गया। दौड़ में लगभग 200 प्रतिभागियों ने उत्साह के साथ हिस्सा लिया । दौड़ में अलग अलग दुरियों के लिए कैटेगरी निर्धारित की गई थी। इस दौड़ में दुर्ग के प्रसिद्ध त्वचा रोग विशेषज्ञ डॉ. आलोक दीक्षित ने 100 किलोमीटरकी दौड़ में हिस्सा लिया। उन्होंने यह दौड़ कट ऑफसमय से 9 घंटे पहले खत्म की और विजेता बने। डॉ. दीक्षित इसके पहले भी कई मैराथन व अल्ट्रा मैराथन में भाग ले चुके हैं । उन्होंने 42.2 किलोमीटर की 10 से अधिक दौड़ पूरी की हैं। इसके अलावा अल्ट्रा मैराथन में 45 ,50 ,63 , 80 किलोमीटर की कई दौड़ें भी पूरी कर चुके हैं । डॉ आलोक दीक्षित ची रनिंग के सर्टिफाइड ट्रेनर भी हैं। बेंगलोर में आयोजित अल्ट्रा मैराथन दौड़ मैं उपलब्धि हासिल करने के लिए डॉ. दीक्षित को बधाई दी गई है।

सरकार पक्की नौकरी से कम पर अड़ी है, हड़ताली कर्मचारी पूरी मांगों पर दे रहे बल

बिलासपुर (समय दर्शन)। जिनसे गारंटी के नाम पर वोट मांगा उनकी मांगों पर अब तक निर्णय होता नहीं दिखाई दे रहा है। हां हम बात कर रहे हैं छत्तीसगढ़ के राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन एनएचएम में चल रही हड़ताल। 18 अगस्त से शुरू हुई इस हड़ताल के कारण पूरे राज्य के स्वास्थ्य सेवा बाधित हो रही है। स्वास्थ्य विभाग के सचिव अमित कटारिया हड़ताल समाप्त करने में असफल हो रहे हैं। आंदोलनरत 25 अधिकारी कर्मचारियों की सेवा समाप्त करने के बावजूद हड़ताली कर्मचारियों के हौसले बुलंद हैं। कारण एनएचएम में नारी शक्ति ही मुख्य है जब से एनएचएम का गठन हुआ इसका बेजा उपयोग नेताओं की सभा में भीड़ बढ़ने से लेकर हर सरकारी कार्यक्रमों में हुआ। कांग्रेस सरकार को निपटने के लिए भाजपा ने जो घोषणा पत्र तैयार किया उसमें एनएचएम के लिए लुभावनी घोषणा थी। सुरक्षित भविष्य के खातिर यह वोट बैंक इधर से उधर हो गई। एनएचएम के हड़ताली कर्मचारी जानते हैं एक बार दबाव में हड़ताल खत्म कर दी तो दोबारा ऐसी एकता और माहौल नहीं बनेगा। विभाग के मंत्री से लेकर सचिन तक ले देकर हड़ताल निपटाने के मुड पर है। पक्की नौकरी देना नहीं चाहते जबकि शिक्षा विभाग में ऐसा हो चुका है। जब एक बार शिक्षा कर्मी नियमित किया जा सकते हैं तो एनएचएम की रगों में क्या खून नहीं बहता। शिक्षा कर्मी का आंदोलन सफल रहा तो एनएचएम की मांगे मान लेने से सरकार को कुछ 100 करोड़ ही तो और लगेगा। जब राज्य में पूर्व आईएएस अधिकारी वित्त मंत्री हो तो बजट तो चुटकी का खेल है।

पचरी को विधायक का सौगात

महासमुंद (झलप) समय दर्शन सरकर के महत्वकांक्षी योजना को गांवों स्तर विस्तार किया जा रहा है, प्रतिनिधियों के द्वारा जन जन के लाडला जनसमस्या मे समर्पित विधायक योगेश्वर राजु सिन्हा जी के द्वारा ग्राम पंचायत पचरी को विधायक निधि से एक नग पानी टेंकर और 10 नग स्ट्रीट लाइट प्रदान किया गया है, श्री विधायक जी को ग्रामावासियो धन्यवाद ज्ञापित किया जिसमे सरपंच श्री मति सरिता चूड़ामणि डडसेना, गैंद राम जोशी, देवकुमार टंडन, जनक डडसेना, सोहन यादव, सरजू निषाद, प्रीति महेश भगत, हितेश्वरी होमेश्वर साहू, कुमारी लखन टंडन, राजेश लहरे, प्रमिला विनोद जोशी, परमानंद साहू,ईश्वर साहू ,हेमंत डडसेना, केदार, फागू, चिंता, पीतांबर, टिकेश्वर, उमा शंकर अन्य लोग थे।

रेत माफियाओं पर मेहरबान खनिज विभाग

स्थानीय भाजपा नेता के इशारे में हो रहा धड़ल्ले से अवैध उत्खनन, रंगदारी वसूली

गरियाबंद (समय दर्श न)। जिले की ग्राम पंचायत पाथरमोहदा में रेत चोरी और अवैध उत्खनन का काला कारोबार खुलेआम फल-फूल रहा है। स्थानीय सूत्रों का दावा है कि यह सब कुछ स्थानीय भाजपा नेता की शह पर हो रहा है। रेत को लेकर रंगदारी वसूली जारी हैं. खनिज विभाग की चुप्पी और मिलीभगत से सरकार को करोड़ों रुपये के राजस्व का चूना लगाया जा रहा है, जबकि आम जनता और ट्रैक्टर मालिक परेशानी का दंश झेल रहे हैं।

रंगदारी वसूली का खेल- सूत्रों के मुताबिक, रेत परिवहन करने वाले ट्रैक्टर मालिकों से प्रति ट्रिप 200 रुपये की जबरन रंगदारी वसूली की जा रही है। गांव के ही तेज दीवान नामक व्यक्ति को यह जिम्मेदारी सौंप दी गई है। रकम न देने पर ट्रैक्टर जबरन खाली करवा दिए जाते हैं । वहीं, पैसे दे देने पर अवैध कारोबारियों को किसी कार्रवाई का डर नहीं रहता ?

गुनाहगार बचते, मासूम फंसते- खनिज विभाग की कार्रवाई में जब भी रेत से भरे वाहन पकड़े जाते हैं, तो असली सरगना बच निकलते हैं और ट्रैक्टर मालिकों को हजारों रुपये का जुर्माना भरना पड़ता है। इससे साफ है कि विभाग की कार्रवाई सिर्फ गरीब और मासूमों पर ही टूटती है, जबकि असली गुनाहगार खुलेआम ऐश कर रहे हैं। पुलिस भीं इस रंगदारी वसूली पर कार्यवाही कर सकती हैं। फिर भीं घटना के इंतजार में हाथ में हाथ धरी बैठी हैं और रंगदारी वसूली पर कार्यवाही नहीं कर रही हैं।

सरकार की नीतियों पर सवाल- छत्तीसगढ़ में भाजपा सरकार के दो साल पूरे होने वाले हैं, लेकिन अब तक खनिज नीति पर कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। परिणामस्वरूप, गरियाबंद सहित जिले के कई इलाकों में आवास निर्माण और विकास कार्य रेत की भारी किल्लत से जूझ रहे हैं। रेत परिवहन भंडारण को लेकर प्रदेश में लठ्ठ भांजे जा रहे हैं, गोलिया चल रही हैं अपराध बढ़ रहे हैं। अपराधी रेत घाटों में अवैध कब्जा कर रखे हैं। रंगदारी वसूली जोरो पर हैं।

विशेषज्ञों की राय- विशेषज्ञों का कहना है कि जिले में एक भी स्वीकृत रेत घाट नहीं होने के कारण अवैध उत्खनन और वसूली को बढ़ावा मिल रहा है। इससे न केवल राजस्व की हानि हो रही है, बल्कि ग्रामीणों की आर्थिक और सामाजिक समस्याएं भी दिन-ब-दिन गहराती जा रही हैं।

प्रशासन पर सवालिया निशान- अब बड़ा सवाल यह है कि क्या प्रशासन इस अवैध कारोबार पर लगाम कस पाएगा ? या फिर खनिज विभाग की नाकामी और भाजपा नेताओं की मेहरबानी से रेत माफिया यूं ही रंगदारी वसूलते रहेंगे ।

11 सितम्बर को श्री जलाराम रिसायकल्स ट्रस्ट दुर्ग द्वारा रक्तदान शिविर में 72 यूनिट रक्तदान

बल्ड बैंक दुर्ग में श्री जलाराम रिसायकल्स ट्रस्ट दुर्ग ने जनहित पर 72 यूनिट रक्तदान किया

दुर्ग (समय दर्शन)। विगत वर्षों अनुरूप स्वर्गीय अनुराग हरिहरनों एवं स्वर्गीय भावेश भाई सोलंकी के पुण्य स्मृति 11 सितम्बर को श्री जलाराम रिसायकल्स ट्रस्ट दुर्ग द्वारा बल्ड बैंक दुर्ग में रक्तदान शिविर आयोजित कर 72 यूनिट रक्तदान किया गया ।

यह शिविर प्रतिवर्ष 11 सितम्बर को जिला अस्पताल मे आयोजित की जाती है । विगत बर्ष 2021 में 40 यूनिट, वर्ष 2022 में 60यूनिट, वर्ष 2023 में 78 यूनिट, वर्ष 2024 में 91 यूनिट रक्तदान किया गया है। रक्तदान शिविर में ब्लड बैंक से नोडल ऑफिसर डॉ जे.पी. मेश्राम , रोशन सिंह, खिलावन चंद्राकर उपस्थित थे। रक्तदान शिविर में स्वास्थ्य कर्मचारी संघ, छ ग़ चैंबर ऑफकॉमर्स, रेडक्रास सोसाइटी, नवदृष्टि फाउंडेशन, दुर्ग भिलाई मोबाइल एसोशिएसन के सदस्य उपस्थित रहे और रक्तदान किए।

कैट दुर्ग चैप्टर के अध्यक्ष पवन बड़जात्या, ट्विनसिटी मोबाईल के अध्यक्ष मोहम्मद अली हीरानी, दुर्ग मोबाईल एसोशिएशन अध्यक्ष ललित खापर्डे, स्वास्थ्य कर्मचारी संघ से सत्येंद्र गुप्ता,ह्र।रू से संजीव दुबे, जन्मजय दास नवदृष्टि फाऊंडेशन से राज आड़तिया, रेडक्रास सोसायटी से जीवनलाल ताम्रकार, धीरजराव इंगले, उपस्थित थे साथ ही इन्होने स्वयं भी रक्तदान किया । शंकराचार्य कॉलेज के छात्रों ने भी प्रथम रक्तदान किया एवं नियमित रूप से करते रहने का संकल्प लिया । कार्यक्रम के समन्वयक जयंती भाई आड़तिया, त्रिपेश शर्मा एवं तरुण आड़तिया थे । श्री जलाराम रिसायकल्स ट्रस्ट की ओर से जयंती भाई आड़तिया ने सभी रक्तदाताओं का आभार प्रकट किया ।

नशे की खुली बिक्री पर रोक लगाने और पारंपरिक गरबा आयोजन की मांग को लेकर विहिप-बजरंग दल ने एसपी को सौंपा ज्ञापन

राजनांदगांव। संस्कारधानी राजनांदगांव में नशे के बढ़ते प्रचलन और गरबा कार्यक्रमों में परंपरा से हो रहे विचलन को लेकर विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल ने शनिवार को पुलिस अधीक्षक मोहित गर्ग को ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन में प्रतिनिधियों ने आरोप लगाया कि शहर के हर दूसरे चौक-चौराहे पर गांजा, दारू, सुलेशन और टेन गोलियां आसानी से मिल रही हैं। उन्होंने कहा कि जहां जरूरतमंदों को जरूरी दवाइयों के लिए कई मेडिकल स्टोर्स के चक्कर काटने पड़ते हैं, वहीं नशे के इन घातक उत्पादों की खुलेआम बिक्री हो रही है। इससे युवाओं में उग्रता बढ़ रही है और आए दिन चाकूबाजी व मारपीट की घटनाएं सामने आ रही हैं।

विहिप और बजरंग दल ने मांग की कि इस अवैध नशे के कारोबार पर सख्ती से रोक लगाई जाए और इसमें संलिप्त लोगों पर कठोर कार्रवाई की जाए।

इसके साथ ही प्रतिनिधिमंडल ने नवरात्रि में गरबा आयोजनों को पूरी तरह धार्मिक और पारंपरिक स्वरूप में करने की मांग भी रखी। उन्होंने कहा कि गरबा केवल माता की आराधना का माध्यम है, न कि मनोरंजन का मंच। अत: आयोजन स्थल पर आने वाले प्रत्येक व्यक्ति को टीका लगाना, कलावा बांधना और गंगाजल से छिड़काव अनिवार्य किया जाए।

इसके साथ ही गरबा स्थलों पर केवल भक्ति और देशभक्ति से जुड़े गीत ही बजाने की बात कही गई। उन्होंने मांग की कि सभी गरबा आयोजन रात 11.30 बजे तक ही समाप्त कराए जाएं ताकि शहर का धार्मिक माहौल शांतिपूर्ण और मर्यादित बना रहे।

इस दौरान प्रांत सहमंत्री नंदूराम साहू, विभाग मंत्री अनूप श्रीवास, जिला अध्यक्ष ओमप्रकाश अग्निहोत्री, जिला मंत्री त्रिगुण सादानी, बजरंग दल जिला संयोजक राहुल बल्देवदेव मिश्रा, सामाजिक समरसता प्रमुख बाबाजी बौद्ध, नगर अध्यक्ष शिव वर्मा सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

पुलिस अधीक्षक मोहित गर्ग ने प्रतिनिधियों को आश्वासन दिया कि नवरात्रि के दौरान गरबा आयोजन पूरी तरह पारंपरिक वातावरण में होंगे और किसी भी प्रकार की अराजकता फैलाने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। कार्यक्रम की जानकारी सम्भाग सह-संयोजक सुनील सेन ने दी।

अजय उमेश जेम्स जैसे बिशप जो सीनेट के ऊपर हैं, तथ्यों को छुपा कर सत्र न्यायालय में मांग रहे थे अग्रिम जमानत

बिलासपुर (समय दर्शन)। सिविल लाईन थाना रायपुर में 19.6.2025 के दिन धारा 420, 467, 468, 471, 34 के तहत जयदीप रॉबिंसन, नितिन लॉरेंस, रूपिका लॉरेंस, एसके नंदा, अजय उमेश जेम्स, बीके नायक के खिलाफ एफआईआर हुआ। इसमें से पांच पुरुष छत्तीसगढ़ डायोसिस बोर्ड ऑफ़ एजूकेशन के कभी ना कभी सोकॉल्ड पदाधिकारी रहे। सितंबर माह में ही एसके नंदा और अजय उमेश जेम्स की अग्रिम जमानत याचिका सत्र न्यायालय रायपुर में खारिज हुई और अब छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के समक्ष विचाराधीन है। अजय उमेश जेम्स वर्तमान बिशप जबलपुर डायोसिस बोर्ड ऑफ़ एजूकेशन के अध्यक्ष है। 9 .12 .2021 से 7. 8 .2023 तक वह छत्तीसगढ़ डायोसिस के बिशप और छत्तीसगढ़ डायोसिस बोर्ड ऑफ़ एजुकेशन के पदाधिकारी रहे। रायपुर के सालेम इंग्लिश मीडियम के प्राचार्य रूपिका लॉरेंस को जो नियुक्ति पत्र मिला उसकी तारीख 7.11.2023 है। जिसमें अजय उमेश जेम्स का हस्ताक्षर है और अजय उमेश जेम्स का कार्यकाल 7. 8. 2023 को समाप्त हो गया था तो क्या यह माना जाए की पद से हट जाने के बाद उन्होंने सालेम स्कूल का प्राचार्य बैठाल दिया। 13.3.2015 के सीनेट की बैठक में निर्णय हुआ की छत्तीसगढ़ के पूरे 19 स्कूल जबलपुर डायोसिस के क्षेत्र अधिकार में रहेगा। अब जब अजय उमेश जेम्स जबलपुर डायोसिस का बिशप है और स्कूल समिति का पदाधिकारी तो वह छत्तीसगढ़ के स्कूलों को टेक ओवर करने के लिए कार्यवाही क्यों नहीं करता साथ ही जब 9. 12. 2021 से 7. 8. 2023 तक छत्तीसगढ़ का बिशप रहा तब भी उसे पता था कि स्कूल जिनका वह गैर कानूनी प्रबंध कर रहा है असल में जबलपुर डायोसिस का है। अजय उमेश जेम्स जब छत्तीसगढ़ डायोसिस का बिशप और एजुकेशन बोर्ड का पदाधिकारी था तभी तो पुलिस एफआईआर में उसका नाम है। और आज जब वह जबलपुर पदाधिकारी है तब भी उसे पता है कि स्कूल किसके ईसाई समाज के यह कैसे बिशप है जो अपने ही सीनेट के आदेश को नहीं मानते। निशिता हंसा दास की डब्ल्यूपीसी नंबर 759/15 और पीआईएल 71/16 में अजय उमेश जेम्स के शपथ पत्र भी लगे हुए हैं। जिसमें उन्होंने माना है कि स्कूल जबलपुर डायोसिस के क्षेत्राधिकार में है। अजय उमेश जेम्स और एसके नंदा ने पहले सत्र न्यायालय और अब उच्च न्यायालय में जो अग्रिम जमानत याचिका प्रस्तुत की है। उसमें तथ्यों को छुपाया यह अपने आप में गंभीर अनियमित की श्रेणी में आता है। अजय उमेश जेम्स के ही कार्यकाल में ही रायपुर के सालेम इंग्लिश स्कूल का नाम परिवर्तन हुआ और एक नया स्कूल प्राइवेट सालेम स्कूल खुला इस पर तथ्यात्मक विस्तृत रिपोर्ट पढ़े कल.....

सैमसंग टीवी प्लस पर ईटीवी नेटवर्क के चार नए चैनल, मनोरंजन हुआ और भी मज़ेदार

गुरुग्राम। सैमसंग टीवी प्लस, भारत में उपलब्ध फ्री ऐड-सपोर्टेड स्ट्रीमिंग टीवी (FAST) सेवा, ने अपने कंटेंट पोर्टफोलियो में ईनाडु टेलीविज़न (ETV नेटवर्क) के चार नए चैनल जोड़ने की घोषणा की है। इस साझेदारी के साथ, सैमसंग टीवी प्लस के मज़बूत कैटलॉग में अब 150 से अधिक FAST चैनल शामिल हो गए हैं, जो भारतीय दर्शकों को विविधतापूर्ण और उच्च गुणवत्ता वाला नया मनोरंजन अनुभव प्रदान करेंगे। ईटीवी नेटवर्क भारत की चुनिंदा और भरोसेमंद प्रसारण कंपनियों में से एक है। सैटेलाइट और डिजिटल प्लेटफॉर्म पर मौजूद इस नेटवर्क की विस्तृत कंटेंट लाइब्रेरी में न्यूज़, म्यूज़िक, युवाओं के लिए विशेष शो और कॉमेडी जैसे लोकप्रिय कार्यक्रम शामिल हैं, जो पिछले दो दशकों से हर वर्ग के दर्शकों का मनोरंजन करते आ रहे हैं। सैमसंग टीवी प्लस में साउथईस्ट एशिया और इंडिया के बिज़नेस डेवलपमेंट के जनरल मैनेजर कुणाल मेहता ने कहा, हमारा उद्देश्य दर्शकों और विज्ञापनदाताओं को सैमसंग टीवी प्लस प्लेटफॉर्म पर बेजोड़ एक्सेस और बेहतरीन अनुभव प्रदान करना है। ईटीवी नेटवर्क के नए स्वस्थ्य चैनल्स को शामिल कर हम दक्षिण भारत के दर्शकों तक अपनी पहुँच और मज़बूत करना चाहते हैं, ताकि उन्हें तेलुगु मनोरंजन की दुनिया का नवीनतम कंटेंट आसानी से मिल सके। यह साझेदारी हमारे इस विज़न को और सशक्त बनाती है। ईनाडु टेलीविज़न प्रा. लि. के सीईओ के. बापिनीडु ने कहा, ईटीवी नेटवर्क में हमारा उद्देश्य हमेशा विविधतापूर्ण और उच्च गुणवत्ता वाला मनोरंजन प्रस्तुत करना रहा है, जो हर आयु वर्ग के दर्शकों को आकर्षित करे। कनेक्टेड टीवी की बढ़ती लोकप्रियता को देखते हुए, हम सैमसंग टीवी प्लस पर अपने चार नए FAST चैनल (ईटीवी न्यूज़, ईटीवी जोश, ईटीवी म्यूज़िक और ईटीवी कॉमेडी) लॉन्च करके अपनी डिजिटल उपस्थिति को और मज़बूत बना रहे हैं। हमारी कंटेंट-फर्स्ट रणनीति हमेशा दर्शकों की बदलती पसंद को ध्यान में रखकर निरंतर नवाचार, परीक्षण और सुधार पर केंद्रित रहती है। यह साझेदारी हमें व्यक्तिगत और क्यूरेटेड कंटेंट दर्शकों तक पहुँचाने का बेहतरीन अवसर देती है। इस साझेदारी के साथ, सैमसंग टीवी प्लस अपने क्षेत्रीय, कला और संगीत से जुड़े कंटेंट को और विस्तार दे रहा है तथा कनेक्टेड टीवी पर मुफ्त प्रीमियम स्ट्रीमिंग के लिए अपनी अग्रणी स्थिति को मज़बूत कर रहा है।

सुलेख एवं प्रश्न मंच प्रतियोगिता का आयोजन हुआ

शंकर लहरे सरायपाली (समय दर्शन) संकुल प्राचार्य पीएन ठाकुर, समन्वयक एन के चौहान, चनाट प्रभारी प्राचार्य ओगरे, बिछिया प्रभारी प्राचार्य मनोहर दीवान, व्याख्याता कमलेश साहू, दिलेश्वर बंजारे, रूपलाल चौहान, निराकार पटेल, रत्ना पटेल, प्रधान पाठक एनपी नायक, बीके सिदार, महावीर भोई, रोहित भठ, एसपी पटेल द्वारा माँ सरस्वती के समक्ष के दीप प्रज्वलित कर किया गया। प्रतियोगिता के संबंध में संचालक अमित चौरसिया ने बताया कि पूर्णिमा ज्ञानेश्वरी फाउंडेशन विभिन्न क्षेत्रों में जनहित के कार्यों में अपनी भूमिका निभाता आ रहा है। छात्रहित सर्वोपरि कार्यक्रम के तहत सुलेख प्रतियोगिता एवं प्रश्न मंच कार्यक्रम आयोजन का प्रस्ताव विकासखंड शिक्षा धिकारी के समक्ष रखा गया तो उन्होंने इसकी सहर्ष सहमति दी । सुलेख एवं प्रश्न मंच प्रतियोगिता में पुरे विखं के 17 स्कूलों से चयनित छात्रों ने भाग लिया। प्रश्न मंच प्रतियोगिता जो केबीसी के तर्ज पर पहली बार आयोजित हुई। प्रत्येक छात्रों के समक्ष टीवी स्क्रीन, बजर और बैठक व्यवस्था की गई थी जिसकी प्रशंसा पूरे अतिथियों ने की। प्रतियोगिता पांच चरणों में हुई इसमें प्रथम चरण रैपिड फायर ज्ञान

अमृत, दूसरा चरण पास राउंड ज्ञान गंगा, तीसरा ट्रू फॉल्स ज्ञान धारा एवं चौथा चरण बजर राउंड था। चौथे राउंड के बाद 8 स्कूलों के प्रतिभागी प्रतियोगिता से बाहर हो गये और टाप 9 स्कूलों के बीच फाइनल मुकाबला हुआ जो बजर राउंड का था जो काफी रोचक था। जिसमें सेजेस बसना की टीम ने प्रथम स्थान हासिल की। कबाड़ से जुगाड़ के तहत बजर की व्यवस्था की गई थी तथा प्रत्येक छात्रों के समक्ष स्क्रीन में प्रश्न प्रदर्शित हो रहे थे जिसका उत्तर छात्रों को देना था। इस पूरे प्रतियोगिता का प्रसारण यूट्यूब चैनल के माध्यम से लाइव किया जा रहा था। जिसे पुर विखं एवं जिला स्तर पर देखा जा रहा था। महासमुंद जिले में पहली बार इस तरह की प्रतियोगिता आयोजित हो रही थी जिसको लेकर शिक्षकों एवं छात्रों में बड़ी उत्सुकता थी। प्रतियोगिता को सफल बनाने में फाउंडेशन की टीम चंद्रकांत चौरसिया, अमित लक्ष्मीधर प्रधान, कृष्ण कुमार नायक, दीपक पटेल, शैलेंद्र नायक, कमलेश साहू, ज्योति पटेल, संतलाल चौहान, विकास कुमार निषाद, प्रेमचंद साव, रूपलाल चौहान, चितरंजन गढ़तिया प्रश्न मंच प्रतियोगिता को संचालित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई तथा इस प्रतियोगिता को सफल बनाने में विखं के संकुल समन्वयक गण, नवाचारी शिक्षक गण एवं विद्यालयों के प्रभारी शिक्षक एवं आसपास के शिक्षक शिक्षिकायें बड़ी संख्या में उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन अमित कुमार चौरसिया एवं आभार व्यक्ति चंद्रकांत चौरसिया ने की।

खबर-खास

सैमसंग ने भारत में खूबसूरत फ्लोरल डिजाइन और बेहतरीन प्रदर्शन के साथ सिंगल डोर रेफ्रिजरेटर्स की नई रेंज पेश की

गुरुग्रामः सैमसंग, भारत के सबसे बड़े इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड, ने आज 183 लीटर की नई सिंगल डोर रेफ्रिजरेटर रेंज लॉन्च की। यह रेंज उन भारतीय परिवारों के लिए बनाई गई है, जो किफायती और स्टाइलिश फ्रिज चाहते हैं। इसमें आठ नए मॉडल हैं, जो बेगोनिया और वाइल्ड लिली नाम के दो फूलों वाले डिज़ाइन में उपलब्ध हैं। ये फ्रिज लाल और नीले रंगों में 3 स्टार व 5 स्टार एनर्जी रेटिंग्स के साथ मिलेंगे। यह रेंज आकर्षक डिज़ाइन, आधुनिक फीचर्स और शानदार ड्यूरैबिलिटी के साथ आती है, जो इसे रोज़मर्रा के लिए स्टाइलिश और भरोसेमंद बनाती है। खूबसूरती को ध्यान में रखकर डिज़ाइन की गई, नई सिंगल डोर रेंज आधुनिक भारतीय घरों के लिए बिल्कुल परफेक्ट है। बेगोनिया और वाइल्ड लिली फ्लोरल पैटर्न रसोई के लुक को बेहतर बनाने के लिए बनाए गए हैं, जबकि स्लीक ग्रैंडे डोर डिज़ाइन के साथ बार हैंडल प्रीमियम अनुभव और सुविधाजनक उपयोगिता सुनिश्चित करता है। जीवंत रंगों और आकर्षक पैटर्न के साथ, ये रेफ्रिजरेटर केवल उपकरण नहीं हैं, बल्कि स्टेटमेंट पीस हैं जो सुंदरता और कार्यक्षमता को सहजता से जोड़ते हैं। सैमसंग इंडिया के डिजिटल अप्लायंसेज बिजनेस के वाइस प्रेसिडेंट, घुफ्रान आलम ने कहा, हमारी इस नई सिंगल डोर रेफ्रिजरेटर रेंज के साथ, हम सैमसंग के डिज़ाइन और तकनीक को मिलाकर एक ऐसा प्रोडक्ट ला रहे हैं जो सुंदर भी है और बढ़िया काम भी करता है। फ्लोरल पैटर्न वाले सिंगल डोर रेफ्रिजरेटर भारतीय ग्राहकों को बहुत पसंद हैं, जो हमारी कुल सिंगल डोर बिक्री का 70त्न से ज्यादा हिस्सा हैं। भारतीय ग्राहक अब ऐसे उपकरण चाहते हैं जो उनके घर की सजावट के साथ अच्छे लगें और शानदार प्रदर्शन भी करें। यह नई रेंज यही देती है: स्टाइल, सुविधा और लंबे समय तक भरोसेमंद काम। नई रेंज में कई शानदार फीचर्स हैं जोकि रोज़ाना के कामों को आसान बनाते हैं। 20 साल की वारंटी के साथ डिजिटल इन्वर्टर कंप्रेसर शांत संचालन, ऊर्जा दक्षता और समय के साथ विश्वसनीय प्रदर्शन सुनिश्चित करता है। स्टेबलाइज़र-फ्री ऑपरेशन के साथ, रेफ्रिजरेटर वोल्टेज उतार-चढ़ाव में भी स्थिर रूप से चलता है, जिससे यह इलेक्ट्रिकल डैमेज़ से सुरक्षित रहता है। अंदर, एक चमकदार एलईडी लैंप हर एंगल को रोशन करता है। यह पारंपरिक बल्ब की तुलना में काफी कम बिजली की खपत करता है और अधिक समय तक चलता है। टफन्ड ग्लास शेल्व्स 175 किलोग्राम तक वजन सहन कर सकते हैं और भारी बर्तनों और पैन के लिए आदर्श हैं। चुनिंदा मॉडलों में 11.8 लीटर की अतिरिक्त स्टोरेज क्षमता वाला बेस स्टैंड ड्रॉअर भी है, जो प्याज और आलू जैसे सूखे सामानों को व्यवस्थित और कूलिंग स्पेस से अलग रखने के लिए उपयुक्त है।

पौष्टिक व्रत फ्रेंडली आहार इस नवरात्रि की खास सामग्री

जैसे-जैसे नवरात्रि पास आती है, देशभर के परिवार व्रत की तैयारी करते हैं— यह परंपरा भक्ति और अनुशासन से जुड़ी हुई है। परंपरा के साथ-साथ, यदि व्रत में सही सामग्री का चयन किया जाए तो यह सेहत का भी सहारा बनसकता है। पोषण से भरपूर साबूदाना और कैलिफ़ोर्निया बादाम जैसे विकल्पनवरात्रि के नौ दिनों में ऊर्जा बनाए रखने, पाचन को सहारा देने और समग्रस्वास्थ्य को बढ़ाने में मदद करते हैं। बादाम ङ्क सुबह का परफेक्ट आहार व्रतके लिए सबसे ज़्यादा सुझाए जाने वाले आहारों में बादाम विशेष स्थान रखतेहैं। इनमें प्रोटीन, हेल्दी फैट, विटामिन ई और मैग्नीशियम जैसे महत्वपूर्णपोषक तत्व होते हैं, जो पेट भरे रखने, हृदय की सेहत का ख्याल रखने औरऊर्जा को बढ़ाने में मदद करते हैं। इन फायदों का पूरा लाभ उठाने के लिएदिन की शुरुआत कुछ भीगे हुए कैलिफ़ोर्निया बादाम से करें, जो लंबे समयतक आपको ताज़गी और संतुष्टि देंगे। व्रत को और अधिक सेहतमंद बनाने के लिए, मैक्स हेल्थकेयर की रीजनलहेड ङ्क डायटेटिक्स, ऋतिका समद्दार अपने विशेषज्ञ सुझाव साझा करती हैं।वह ऐसे पौष्टिक तत्वों पर ज़ोर देती हैं जो न केवल पारंपरिक व्रतरीति-रिवाजों का सम्मान करते हैं, बल्कि आधुनिक पोषण कीआवश्यकताओं से भी मेल खाते हैं। उनका सुझाव है कि रिफाइंड शुगर औरतली-भुनी चीज़ों से बचें और प्राकृतिक, संपूर्ण खाद्य पदार्थों पर ध्यान दें, जोउपवास के दौरान ऊर्जा और संपूर्ण स्वास्थ्य बनाए रखने में मदद करते हैं। साबूदाना - पारंपरिक ऊर्जा स्रोत नवरात्रि साबूदाना खिचड़ी या वड़ा केबिना अधूरी मानी जाती है। साबूदाना पाचन तंत्र पर हल्का होता है और इसमेंआसानी से पचने वाले कार्बोहाइड्रेट भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं, जो तुरंतऊर्जा देने में मदद करते हैं। इसमें नींबू की कुछ बूंदें डालने से स्वाद औरताज़गी दोनों बढ़ जाते हैं। बस ध्यान रखें कि ज़्यादा मात्रा लेने से खाने केबाद सुस्ती महसूस हो सकती है, इसलिए परोसने की मात्रा संतुलित रखें। कुट्टू पोषक तत्वों से भरपूर आटा कुट्टू का आटा नवरात्रि का अहम हिस्साहै, जिसका उपयोग पैनकेक, चीला और अन्य व्रत-फ्रेंडली व्यंजनों में कियाजाता है।

एनएचएम कर्मचारियों की मांगों के समर्थन और सेवा समाप्ति के विरोध में उतरा छग सर्व विभागीय संविदा कर्मचारी महासंघ

कवर्धा (समय दर्शन)। पूरे छग में 18 अगस्त से 16 हज़ार संविदा स्वास्थ्य कर्मचारी अनिश्चितकालीन हड़ताल पर हैं। इस दौरान 25 एनएचएम संगठन के पदाधिकारी की सेवा समाप्त भी कर दी गई है या आंदोलन जिलों में विभिन्न गतिविधियों प्रदर्शनों के माध्यम से चल रहा है। एनएचएम कर्मचारी नियमितिकरण, जॉब सुरक्षा, संविलियन, ग्रेड पे, अनुकंपा नियुक्ति सहित 10 सूत्रीय मांगों के साथ प्रदर्शन कर रहे हैं। अब इस आंदोलन में राज्य के संविदा कर्मचारियों के एकमात्र फेडरेशन छत्तीसगढ़ सर्व विभागीय संविदा कर्मचारी महासंघ ने भी समर्थन दिया है, जिसमें सभी विभाग के संविदा कर्मचारी एक दिन 12 सितंबर को काम बंद कर एनएचएम कर्मचारियों के धरना स्थल पर पहुँच कर उन्हें समर्थन दिया। साथ ही छत्तीसगढ़ के सभी 90 मंत्रीगण/विधायकों के नाम से कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। इस आशय की जानकारी

संविदा फेडेरेशन के सचिव श्रीकांत लास्कर और उपाध्यक्ष संजय सोनी ने दी।

महासंघ के पदाधिकारियों ने बताया कि 25 दिन से आंदोलन कर रहे एनएचएम कर्मचारियों की उपेक्षा से पूरे संविदा कर्मचारी आक्रोशित हैं। शासन प्रशासन मांगों को पूरा करने के स्थान पर सेवा समाप्ति जैसे निर्णय ले रहा है जो कि उचित नहीं है। संविदा महासंघ ने इस मामले में मुख्यमंत्री से भी हस्तक्षेप की अपील की है महासंघ ने यह भी कहा है कि सरकार का अड़ियल रुख जारी रहने से पूरे प्रदेश के संविदा कर्मचारी भी आंदोलन को बाध्य होंगे। गौरतलब है कि 54 विभागों के संविदा कर्मचारी पिछली कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में छत्तीसगढ़ सर्व विभागीय संविदा कर्मचारी महासंघ के बैनर तले 5 साल संघर्ष किया। वर्ष 2023 में 31 दिवसीय आन्दोलन भी किया था। तब भूपेश सरकार ने 27 प्रतिशत वेतन वृद्धि की घोषणा सभी संविदा कर्मियों के लिए की थी, जो एनएचएम सहित कई विभागों को आज तक नहीं मिली।

इस अवसर पर जेम्स जॉन, विनिष जॉय, भास्कर देवांगन, रुपेश साहू, दुर्गेश गुप्ता, वीर सिंह साहू, डॉ दीपक ध्रुव, डॉ चंचला, डॉ ममता सिंह ठाकुर, आकृति सिंह सिदार, दुर्गा मरावी, ओमन चंद्रवंशी अशोक साहू, धुर्वा साहू, अंजिता मरकाम ऊषा कौशिक एवं सर्व विभागीय संविदा कर्मचारी महासंघ से संजय सोनी, संजय काठले, राजेश्वर निर्मलकर, वेदप्रकाश साहू, सुशील वर्मा, भगत चौधरी, आदि अन्य साथी उपस्थित रहे।

समस्याओं का हल 100 दिन में हल करने का वादा अधूरा- उस आंदोलन के दौरान आज के डॉ रमन सिंग, ओपी चौधरी, विजय शर्मा, अरुण साव जैसे भारतीय जनता पार्टी के नेता गण संविदा कर्मचारियों को समर्थन देने पहुँचे थे। बाद में भारतीय जनता पार्टी ने अपने चुनावी घोषणा पत्र में मोदी की गारंटी के नाम से 100 दिन में कमेटी का गठन का संविदा कर्मचारियों की समस्याओ के हल का वादा किया। लोकसभा चुनाव से पूर्व वरिष्ठ आई ए एस निहारिका बारीक सिंग की अध्यक्षता में कमेटी का गठन भी हुआ पर आज तक कमेटी की किसी कार्यवाही का कोई अता पता नहीं है। इसी क्रम 33 जिलों में एक साथ शासन प्रशासन का ध्यानाकर्षित किया गया। जिला संयोजकों ने कहा मोदी की गारंटी-अब भी अधूरी कब होगी पूरी।

पंडरिया विधायक भावना बोहरा ने सड़क निर्माण हेतु 28 करोड़ 87 लाख रुपए की स्वीकृति दिलाई

कवर्धा (समय दर्शन)। पंडरिया विधायक भावना बोहरा की सक्रियता एवं सतत प्रयास से विधानसभा क्षेत्र में निरंतर विकास कार्यों की सौगात जनता को मिल रही है। उनकी बहुप्रतीक्षित मांगे पूरी हो रहीं हैं। इसी क्रम में नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग द्वारा पंडरिया विधानसभा क्षेत्र में सड़कों के विस्तार हेतु बुधवार को 28 करोड़ 87 लाख 8 हजार रुपए की प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान की गई। भावना बोहरा ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, उप मुख्यमंत्री अरुण साव और वित्त मंत्री ओपी चौधरी का आभार व्यक्त करते हुए क्षेत्रवासियों को बधाई दी है।

विधायक भावना बोहरा ने बताया कि जनता ने जिस विश्वास के साथ छत्तीसगढ़ में सुशासन की सरकार बनाई है। उसी प्रतिबद्धता से हमारी सरकार जनकल्याण, सुविधाओं का विस्तार एवं हर गाँव एवं शहर के विकास और अधोसंरचना निर्माण के लिए तत्परता से कार्य कर रही है। जनता की बहुप्रतीक्षित मांग को देखते हुए वर्ष 2024-25 के वार्षिक बजट में शामिल पंडरिया विधानसभा के प्रतापपुर-भगतपुर-निंगापुर मार्ग तक कुल 12.07 कि.मी. सड़क निर्माण हेतु 21 करोड़ 7 लाख 98 हजार रुपए, जंगलपुर-कुम्ही मार्ग तक कुल 4.10 कि.मी. सड़क निर्माण हेतु 4 करोड़ 75 हजार 42 हजार रुपए और दशरंगपुर से खंडसरा मार्ग तक 3.00 कि.मी. सड़क निर्माण हेतु 3 करोड़ 3 लाख 68 हजार रुपए की प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान की है। 28 करोड़ 87 लाख रुपए से अधिक की राशि सड़क निर्माण हेतु मिली है। इसके पूर्व भी पंडरिया विधानसभा को विभिन्न विकास एवं अधोसंरचना निर्माण कार्यों हेतु करोड़ों रूपए की स्वीकृति मिली है जो कार्य प्रगति पर हैं।

उन्होंने आगे कहा कि यह कार्य सिर्फ सड़कें नहीं, बल्कि जन-जन के जीवन को सरल और समृद्ध बनाने का संकल्प हैं। मुख्यमंत्री श्री साय के कुशल नेतृत्व में हमारे ग्रामीण अंचलों में आधारभूत संरचना को सुदृढ़ करने की दिशा में तेजी से कार्य हो रहें हैं और जनसुविधाओं का

चरणबद्ध विकास सुनिश्चित किया जा रहा है, जिससे प्रदेश एवं पंडरिया विधानसभा के विकास और आर्थिक प्रगति के नए द्वार खुल रहे हैं। शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला सशक्तिकरण, व्यापारी हित के लिए सार्थक प्रयासों से आज पंडरिया विधानसभा सहित प्रदेश में हर व्यक्ति-वर्ग के लिए जनकल्याण की योजनाओं से जीवन स्तर में सकारातमक परिवर्तन देखने को मिल रहे हैं। पंडरिया विधानसभा में अबतक विभिन्न विकास कार्यों, अधोसंरचना निर्माण, सौन्दर्यीकरण, स्वच्छता, सड़क, बिजली, पानी जैसी आवश्यक और मूलभूत सुविधाओं के विस्तार हेतु 300 करोड़ रुपए से अधिक की स्वीकृति मिली है। कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं को स्वीकृति मिली है, और कई कार्य गुणवत्तापूर्ण और तय समय पर पूरे किए जा रहे हैं।

भावना बोहरा ने कहा कि भाजपा सरकार के नेतृत्व में पंडरिया विधानसभा में अभूतपूर्व कार्य एवं जनता की बहुप्रतीक्षित मांग पूरी हो रही है। सुतियापाट नहर विस्तारीकरण, बाकेला हाफनदी व्यपवर्तन योजना, हरिनाला पुल निर्माण, पंडरिया एवं पांडातराई बाईपास निर्माण से आम जनता एवं किसानों को सुविधा मिलेगी। इनमें से कुछ कार्य पूर्ण हो चुके हैं वहीं कुछ कार्य प्रगति पर हैं और मुझे विश्वास है की उन कार्यों को भी तय समय में पूरा कर लिया जाएगा। हाल ही में मुख्यमंत्री श्री साय ने पंडरिया में 250 सीटर नालंदा परिसर बनाने एवं गौरव पथ निर्माण हेतु स्वीकृति भी प्रदान की है।

जिला एवं अपर सत्र न्यायालय गरियाबंद में नेशनल लोक अदालत का हुआ सफल आयोजन

कुल 68 हजार 744 प्रकरणों का हुआ निपटारा

गरियाबंद (समय दर्शन)। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं छ.ग.राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण बिलासपुर के आदेशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण रायपुर के अध्यक्ष तथा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश रायपुर बलराम प्रसाद वर्मा के निर्देशानुसार जिला एवं अपर सत्र न्यायालय गरियाबंद में संचालित सिविल न्यायालयों, राजस्व जिला गरियाबंद के राजस्व न्यायालयों एवं राजिम और देवभोग के न्यायालयों में आज नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया गया।उक्त लोक अदालत हेतु तालुका विधिक सेवा समिति गरियाबंद द्वारा 2 खण्डपीठों का गठन किया गया था। तालुका विधिक सेवा समिति गरियाबंद के अध्यक्ष यशवंत वासनीकर ने बताया कि उक्त लोक अदालत हेतु जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश गरियाबंद बी आर साहू की गठित खण्डपीठ में कुल 61 लंबित एवं 995 प्रिलिटिगेशन प्रकरण कुल 1056 प्रकरण राजीनामा हेतु रखे गये थे, जिनमें 16 लंबित मामलों का निराकरण करते हुए 70 लाख रूपये का एवार्ड पारित किया गया। वही 78 प्रिलिटिगेशन प्रकरणों का निराकरण करते हुए 7 लाख 64 हजार 2 रूपये का एवार्ड पारित किया गया। इस प्रकार उक्त खण्डपीठ में कुल 94 प्रकरणों का निराकरण करते हुए कुल 77 लाख 64 हजार 2 रूपये का एवार्ड पारित किया गया।

वहीं मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट एवं व्यवहार न्यायधीश वरिष्ठ श्रेणी गरियाबंद कु0 सीमा कंवर की गठित खण्डपीठ में 806 प्रिलिटीगेशन प्रकरण रखे गये थे, तथा लंबित समरी मामले सहित कुल 147 लंबित प्रकरण रखे गये थे।जिनमें से 12 प्री-लिटिगेशन प्रकरण एवं 131 लंबित समरी मामलों का निराकरण करते हुए कुल 143 प्रकरणों का निराकरण करते हुए कुल 5 लाख 46 हजार 750 रूपये की राशि अदा करायी गयी। श्रीमती कांची अग्रवाल न्यायिक मजिस्ट्रेट वरिष्ठ श्रेणी देवभोग की खण्डपीठ में लंबित समरी मामले सहित कुल 408 प्रकरण रखे गये थे जिनमें से सभी 408 लंबित मामलों का निराकरण करते हुए कुल 4 लाख 81 हजार 900 रूपये की राशि अदा करायी गयी। इसी प्रकार सचिन पॉल टोप्पो न्यायिक मजिस्ट्रेट वरिष्ठ श्रेणी एवं व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ श्रेणी राजिम की गठित खण्डपीठ में 1477 प्रिलिटीगेशन प्रकरण रखे गये थे तथा समरी मामले सहित कुल लंबित 995 प्रकरण रखे गये थे जिनमें से 102 प्री-लिटिगेशन प्रकरण एवं 486 लंबित समरी मामलों का निराकरण करते हुए कुल 588 प्रकरणों का निराकरण करते हुए कुल 10 लाख 24 हजार 275 रूपये की राशि अदा करायी गयी। इसके साथ ही राजस्व न्यायालयों में कुल 67,511 प्रकरणों का निराकरण किया गया है।

इस प्रकार आज आयोजित नेशनल लोक अदालत में कुल 68 हजार 744 प्रकरणों का निराकरण कर 98 लाख 16 हजार 927 रूपये का अवॉर्ड पारित किया गया।

तालुका अध्यक्ष यशवंत वासनीकर ने यह भी बताया कि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण रायपुर के अध्यक्ष श्री बलराम प्रसाद वर्मा एवं सचिव श्री अविनाश दुबे के द्वारा समय-समय पर दिये गये निर्देशानुसार अन्य विभागों के अधिकारियों द्वारा नेशनल लोक अदालत के अवसर पर जिला एवं अपर सत्र न्यायालय गरियाबंद के परिसर में विभिन्न विभागों के स्टॉल लगाये गये। उद्यानिकी विभाग द्वारा विभिन्न प्रकार के फ्लदार एवं फुलदार पौधों एवं वृक्षों का वितरण किया गया। स्वास्थ्य विभाग द्वारा लोक अदालत में आये गये पक्षकारों, अधिवक्ताओं, अधिकारियों, कर्मचारियों एवं जन सामान्य का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। उक्त नेशनल लोक अदालत के शुभारंभ के दौरान विशिष्ट अतिथि के रूप में कलेक्टर श्री भगवान सिंह उइके, श्री प्रकाश सिंह राजपूत, अपर कलेक्टर गरियाबंद, श्री चितेश देवांगन, तहसीलदार गरियाबंद एवं अन्य राजस्व के अधिकारियों की गरिमामयी उपस्थिति रही।

तालुका अध्यक्ष अपर सत्र न्यायाधीश,एफ्टीएससी गरियाबंद यशवंत वासनीकर,जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश गरियाबंद बीआर साहू एवं कु0 सीमा कंवर,मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट गरियाबंद सहित भगवान सिंह उइके,कलेक्टर गरियाबंद,प्रकाश सिंह राजपूत,अपर कलेक्टर गरियाबंद,चितेश देवांगन, तहसीलदार गरियाबंद द्वारा न्यायालय परिसर गरियाबंद में उक्त नेशनल लोक अदालत के अवसर पर लगे विभिन्न विभागों, बैंको,विद्युत विभाग व नगरपालिक के इंस्टालों का निरीक्षण किया गया। उक्त विभागों के प्रमुख अधिकारियों एवं बैंकों के प्रबधंकों को उक्त लोक अदालत में पक्षकारों को अधिक से अधिक प्रकरणों के राजीनामा के माध्यम से निपटारा करने हेतु प्रेरित करने हेतु निर्देशित किया गया।राजस्व न्यायालयों में गठित खण्डपीठों के पीठासीन अधिका द्वारा लोक अदालत के पूर्व से ही संबंधित पक्षकारों एवं अधिवक्ताओं से प्री-सिटिंग कर इस लोक अदालत में अधिक से अधिक प्रकरणों के निराकरण हेतु काफी प्रयास किये गये।इस लोक अदालत को सफ्ल बनाने में खण्डपीठों के पीठासीन अधिकारीगण,राजस्व अधिकारियों,अधिवक्ता सदस्यगण और प्रकरणों से संबंधित अधिवक्तागण,न्यायालयीन कर्मचारियों तथा प्रीलिटिगेशन प्रस्तुत करने वाले अन्य विभाग के अधिकारियों तथा कर्मचारियों एवं संबंधित पक्षकारों का सराहनीय योगदान रहा।

जीएसटी सुधारों से देश की अर्थव्यवस्था में चमत्कारिक परिवर्तन - गजेंद्र यादव

कवर्धा (समय दर्शन)। केंद्र की भाजपा सरकार द्वारा ऐतिहासिक जीएसटी सुधारों को लेकर जिला भाजपा कार्यालय में आयोजित प्रेसवार्ता में मंत्री गजेंद्र यादव ने कहा कि भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत लगातार आर्थिक महाशक्ति बनने की ओर अग्रसर है। आयकर में ऐतिहासिक छूट के बाद अब जीएसटी के स्लैब का सरलीकरण, इसके रेट में अभूतपूर्व सुधार करके भारत को विश्व की तीसरी बड़ी अर्थ व्यवस्था बनाने की तरफ हम अग्रसर हो चुके हैं। श्री यादव ने कहा कि यह बदलाव आम आदमी के जीवन को खुशहाल करने वाले और व्यापार उद्योग को नई गति देने वाले हैं। इससे न सिर्फ लोगों की बचत में ऐतिहासिक बढ़त होगी, बल्कि जीएसटी कानूनों के सरलीकरण में अब व्यापारी भी अधिक सुगमता के साथ अपना सकेंगे।

जिना भाजपा अध्यक्ष राजेंद्र चंद्रवंशी के साथ प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए स्कूल शिक्षा मंत्री श्री यादव ने कहा कि 1 जुलाई 2017 को जीएसटी लागू होने से पहले तक भारत में 17 प्रकार के टैक्स और 13 प्रकार के सेस लागू थे। इसके अलावा राज्य सरकारें भी मनमाने ढंग से कभी भी कोई भी कर आरोपित कर देती थी। पिछले वर्ष 12 लाख सालाना की आय पर टैक्स नहीं लागू करने का निर्णय लेने के बाद अब जीएसटी में चार स्लैब के बदले दो ही स्लैव रखने, सभी उपयोगी वस्तुओं पर कर और

अनेक उत्पादों में कर 10 प्रतिशत तक कम कर देने में अव वास्तव में भारतीय अर्थव्यवस्था अब जनता के लिए रामराज्य लाने वाला साबित होगा।

श्री यादव ने कहा कि नए सुधार से सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्योगों को सबसे अधिक लाभ मिलेगा। रोजमर्रा की अनेक वस्तुएँ, ट्रैक्टर व उसके कलपुर्जे व अन्य कृषि उपकरण तथा व्यक्तिगत स्वास्थ्य एवं जीवन बीमा, शैक्षणिक वस्तुओं के साथ ही इलेक्ट्रॉनिक व ऑटोमोबाइल उत्पादों को किफायती बनाया गया है। जीएसटी करदाता 2017 में 66.5 लाख से बढ़कर 2025 में 1.51 करोड़ हो गए हैं। वित्त वर्ष 2024-25 में सकल जीएसटी संग्रह 22.08 लाख करोड़ रुपये रहा, जो केवल चार वर्षों में दोगुना हो गया है। इसका लाभ वस्त्र उद्योग को, विशेष रूप से निर्यात के लिए, होगा। हस्तशिल्प की कम दरें कारीगरों की आजीविका को समर्थन देंगी, विरासत को संरक्षित करेंगी और ग्रामीण आर्थिक विकास को बढ़ावा देंगी। ऑटोमोटिव में स्पष्ट वर्गीकरण से विवाद कम होंगे तथा विनिर्माण और निर्यात में वृद्धि को समर्थन मिलेगा। नवीकरणीय ऊर्जा को प्रोत्साहन मिलेगा।

शिक्षा मंत्री श्री यादव ने आगे कहा कि यह सुधार किसानों के जीवन में भी आर्थिकी को मजबूती प्रदान करेगा और यह किमान के लिए कम लागत के साथ सक्षम कृषि में सहायक होगी। इसके अलावा अपवाद के रूप में जहां स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाने वाले उत्पादों पर 40 प्रतिशत कर आरोपित किया गया है, वहीं बीड़ी को 18 प्रतिशत के स्लैब में ही रखा गया है। इससे भविष्य में तेंदू पत्ता संग्राहकों को काफी लाभ होगा। जनजातीय क्षेत्र में तेंदू पत्ता जैसे लघु वन्य उत्पादों की मांग अधिक बढ़ेगी, इससे प्रदेश को भी काफी लाभ होगा। श्री यादव ने कहा कि छत्तीसगढ़ को आर्थिक सुधार और शानदार प्रबंधन के लिए केवल प्रोत्साहन राशि के मद में 6200 करोड़ रुपए मिले हैं। छत्तीसगढ़ की आबादी देश की जनसंख्या का दो प्रतिशत से भी कम है लेकिन इस मद में हमें 41 प्रतिशत का 3.407 प्रतिशत हिम्मा मिलता है। इस वृद्धि के कारण पिछले 10-11 वर्ष में हमें एक लाख करोड़ रुपए से अधिक अतिरिक्त मिले हैं। इस अवसर पर पंडरिया विधायक श्रीमती भावना बोहरा, कृषक कल्याण परिषद अध्यक्ष सुरेश चंद्रवंशी, जिला पंचायत अध्यक्ष ईश्वरी साहू, रामकुमार भट्ट, अनिल ठाकुर, चंद्रप्रकाश चंद्रवंशी विशेष रूप से उपस्थित रहे।

संक्षिप्त-खबर

एशिया कप 2025 में महासमुंद की दिव्या भारतीय बास्केटबॉल टीम में शामिल

महासमुंद (समय दर्शन)। FIBA अंडर 16 वूमेंस एशिया कप 2025 का आयोजन मलेशिया में दिनांक 13 से 19 सितम्बर 2025 तक आयोजित किया जा रहा है, जिसमें भारतीय अंडर 16 महिला राष्ट्रीय बास्केटबॉल टीम में छत्तीसगढ़ से महासमुंद जिले की दिव्या रंगारी पिता विनोद रंगारी का शामिल है। जिसने भारतीय टीम से पहला मैच खेला जिसमें बेहतर प्रदर्शन करने के साथ ही पहले मैच में जीत हासिल कर लिया है। इंडिया ने शानदार खेल खेलते हुए कड़े मुकाबले में ईरान को 70 - 67 अंकों से हराकर एशिया कप में जीत से शुरुवात किया। एशिया कप 2025 में भारतीय टीम की पहले मैच में जीत हासिल करने पर छत्तीसगढ़ प्रदेश बास्केटबॉल संघ के राजीव जैन अध्यक्ष, चेयरमैन विजय अग्रवाल, नरेश डाकलिया, राजीव चौबे, भारतीय टीम के मुख्य प्रशिक्षक अनिथा पॉलदुरई, रोहित एवं उमा कांत, विधायक महासमुंद योगेश्वर राजू सिंहा, कलेक्टर विनय कुमार लंगेह, जिला बास्केटबॉल संघ महासमुंद के अध्यक्ष नुरेन चंद्राकर, गौरव चंद्राकर, सचिव शुभम तिवारी, मनीष श्रीवास्तव, खेल अधिकारी खेल एवं युवा कल्याण मनोज धृतलहरे, संतोष कुमार सोनी, किरण महाडीक, अभिषेक अंबिलकर, कुलेश्वर चंद्राकर, पिता विनोद रंगारी, माता सपना रंगारी, सुभाष मंडल, श्रेया घोष, राइमा दास एवं खिलाड़ियों ने शुभकामनाएं दीं।

महाविद्यालय में रजत महोत्सव का भव्य आयोजन

रानीतराई। स्व. दाऊ रामचंद्र साहू शासकीय महाविद्यालय, रानीतराई में रजत महोत्सव का आयोजन प्राचार्य डॉ अरुण कुमार मिश्रा के मार्गदर्शन में उत्साहपूर्वक किया गया। महोत्सव के प्रथम दिवस पर भूतपूर्व विद्यार्थियों ने महाविद्यालय में बिताए अपने सुनहरे पलों और अनुभवों को साझा किया। इस अवसर पर बी.एससी. वर्ग से दुर्गेश वर्मा, दीपक कुमार, तिमिषा, वेदिका, देविका, आरती, भावना सहित बी.ए. और बी.कॉम. वर्ग के कई छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। पुराने साथियों से मुलाकात और अनुभव साझा करने का यह क्षण सभी के लिए यादगार बना।कला के विभागाध्यक्ष श्री चंदन गोस्वामी ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि जीवन में अनेक चुनौतियाँ आएंगी, लेकिन दृढ़ संकल्प और परिश्रम से हर विद्यार्थी अपने लक्ष्य को प्राप्त कर सकता है।द्वितीय दिवस पर महाविद्यालय में समूह चर्चा एवं भाषण प्रतियोगिता का आयोजन हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने भाग लेकर अपने विचार प्रस्तुत किए। इस अवसर पर महाविद्यालय के सहायक प्राध्यापक सुश्री भारती गायकवाड़, श्रीमती शगुफ्ता सिद्दीकी, श्रीमती आराधना देवांगन, सुश्री रेणुका वर्मा तथा अतिथि व्याख्याता श्री टीकेश्वर कुमार पाटिल, श्री वेणु कुमार साहू, सुश्री शिखा मड़रिया उपस्थित रहे।कार्यालयीन स्टाफ में श्री नरेश मेश्राम, श्रीमती महेश्वरी निषाद, सुश्री सीमा वर्मा सहित महाविद्यालय के सभी छात्र-छात्राओं की सहभागिता उल्लेखनीय रही। रजत महोत्सव ने महाविद्यालय के विद्यार्थियों, शिक्षकों और भूतपूर्व छात्रों को एक साथ लाकर न केवल अतीत की यादें ताज़ा कीं बल्कि भविष्य की नई संभावनाओं को भी उजागर किया।

सहायक शिक्षक कामता प्रसाद धनकर को मिला शिक्षा दूत सम्मान

पाटन। शासकीय प्राथमिक शाला चिचा में पदस्त सहायक शिक्षक कामता प्रसाद धनकर को दुर्ग जिला शिक्षा विभाग मुख्यमंत्री गौरव अलंकरण पुरस्कार के तहत शिक्षा दूत सम्मान मिला है। यह सम्मान उन्हें दुर्ग में आयोजित एक कार्यक्रम में शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव ने प्रदान की। इस दौरान सांसद विजय बघेल, विधायक ललित चंद्राकर, जिला पंचायत अध्यक्ष सरस्वती बंजारे सहित अन्य मौजूद रहे। श्री धनकर को सम्मान मिलने पर सरपंच मीनाक्षी पंकज चंद्राकर सहित ग्रामीणों ने बधाई दी है।

कमला देवी राठी महिला महाविद्यालय में रंगारंग आयोजन, छात्राओं ने बटोरे सराहना

राजनांदगांव (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ राज्य के गठन की रजत जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में शासकीय कमला देवी राठी महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय, राजनांदगांव में दिनांक 11 सितम्बर 2025 को प्राचार्य डा. ओंकार लाल श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में छत्तीसगढ़ी लोक नृत्य प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया गया। आयोजन शासन के निर्देशानुसार रजत जयंती उत्सव 2025 के अंतर्गत किया गया, जिसमें महाविद्यालय की छात्राओं ने पारंपरिक छत्तीसगढ़ी लोक संस्कृति की मनमोहक झलक प्रस्तुत की।

प्रतियोगिता में कुल 12 समूहों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। छात्राओं ने पारंपरिक लोक धुनों पर सजीव नृत्य प्रदर्शन कर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। निर्णायकों ने प्रतिभागियों के कला प्रदर्शन की सराहना की और विजेताओं की घोषणा की। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान बीएससी प्रथम सेमेस्टर (जीवविज्ञान) की गायत्री नेताम एवं समूह को प्राप्त हुआ, वहीं द्वितीय स्थान एनसीसी समूह की अंजली निषाद एवं उनके साथियों ने प्राप्त किया। तृतीय स्थान एमएससी तृतीय सेमेस्टर (वनस्पति शास्त्र विभाग) की श्रेया देवांगन एवं समूह को मिला।

कार्यक्रम के निर्णायक मंडल में श्रीमती ममता आर. देव, संजय मिश्रा एवं श्रीमती नीलम राम धनसाय शामिल रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. चेतना गुप्ता ने किया। संयोजन डॉ. निवेदिता ए. लाल एवं निर्देशन श्रीमती रामकुमारी धुर्वा द्वारा किया गया। आयोजन को सफल बनाने में डॉ. अर्चना खरे, डॉ. पूजा चौधरी, उमेश पनरिया एवं कु. डूमन बघेल का विशेष सहयोग रहा।

कार्यक्रम में महाविद्यालय के समस्त स्टाफतथा छात्राएं बड़ी संख्या में उपस्थित रहीं। दर्शकों ने तालियों की गड़गड़ाहट से प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया। आयोजन के माध्यम से छात्राओं ने न सिर्फ छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोक संस्कृति को जीवंत किया, बल्कि अपनी प्रतिभा से सभी को प्रभावित भी किया।

92 पेड़ काटने पर 36 ग्रामीण गिरफ्तार

महासमुन्द (समय दर्शन)। महासमुन्द जिलांतर्गत के वन विकास निगम सिरपुर रेंज अंतर्गत कक्ष क्रमांक 176 में बिना अनुमति मिश्रित व सागौन के पेड़ काटे जाने पर वन अमला ने कार्रवाई की है।

मिली जानकारी के अनुसार वन विभाग ने 36 ग्रामीणों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश कर सभी को जेल भेज दिया गया है।

चूँकि महासमुन्द वन मण्डल एवं बलौदाबाजार वन मण्डल का क्षेत्र आपस मे जुड़े हुए हैं । यहाँ से लगे कसडोल विकासखंड अंतर्गत के वनग्राम छतालडबरा आदिवासी बहुल गांव है, जहां सैकड़ों परिवार निवास करते हैं। ग्रामीणों ने लंबे समय से अमलोरङ्गसिरपुर तक सड़क निर्माण की मांग की थी। सुशासन तिहार के दौरान भी ग्रामीणों ने यह मांग उठाई थी। वन विकास निगम ने सड़क निर्माण के लिए एक करोड़ रुपए का प्रस्ताव शासन को भेजा था, लेकिन स्वीकृति अब तक नहीं मिली।

इसी नाराजगी में ग्रामीणों ने बिना अनुमति वन मार्ग पर आने वाले 89 मिश्रित प्रजाति के और 3 सागौन के वृक्ष काट डाले। सूचना पर वन अमला मौके पर पहुंचा और कार्यवाही किया है।

वन परिक्षेत्र अधिकारी आशीष कुमरी से मिली जानकारी के अनुसार भारतीय वन अधिनियम 1927 की धारा 26(1) क, च, के तहत मामला दर्ज कर 36 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। सभी को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया है।

क्षेत्र के जनपद सदस्य प्रतिनिधि लक्ष्मी नारायण ठाकुर ने बताया है कि ग्रामीणों की समस्या वास्तविक है। गांव से अमलोरङ्गसिरपुर जाने के लिए कोई वैकल्पिक मार्ग नहीं है और आए दिन वन्य प्राणियों से ग्रामीणों का सामना होता है। इसी कारण ग्रामीणों ने रास्ता साफ सफाई करने के लिए पेड़ों को काटे हैं।

चंडी माता मंदिर के पास वन्य प्राणी भालू को कोल्ड ड्रिंक पिलाने वाले के खिलाफ पतासाजी जारी

किया जाएगा कानूनी कार्रवाई

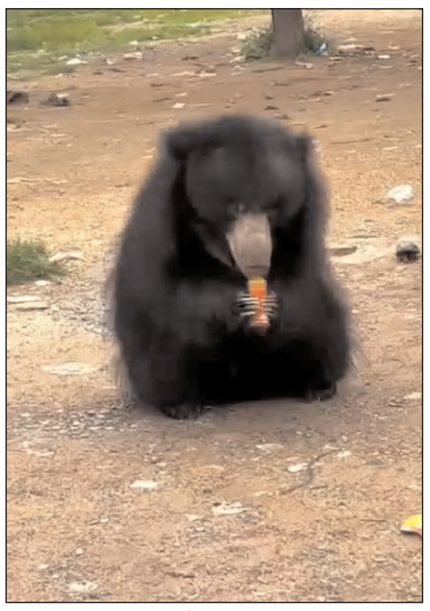

बागबाहरा (समय दर्शन)। बागबहरा वन परिक्षेत्र अंतर्गत चण्डीमाता मदिर के समीप अनैतिक रूप से वन्य प्राणी भालू के साथ छेड़छाड़ करते हुए कोल्डड्रिंक पिलाते हुए वीडियो वायरल करने के मामले में वन अपराध क्रमांक 19929/20 दिनांक 12-09-2025 दर्ज कर अपराध पंजीबद्ध कर वीडियो वायरल करने वाले की पतासाजी की जा रही है। अनुविभागीय अधिकारी वन महासमुंद गोविंद सिंह ने बताया कि विश्वस्त सूत्रों से जानकारी प्राप्त हुई है कि वन्यप्राणी के साथ छेड़छाड़ करने वाला बिलासपुर ज़िले के तखतपुर का रहने वाला है जिसके पतासाजी के लिए वन परिक्षेत्र अधिकारी बाग़बहरा लोकनाथ ध्रुव अपनी टीम के साथ पतासाजी कर रहे है। बिलासपुर वनमंडल के तखतपुर वन परिक्षेत्र की टीम भी सहयोग लिया जा है ।जैसे ही अपराधी पकड़ में आता है तो उसके खिलाफ वन्य प्राणी संरक्षण अधिनियम 1972 की धारा ,27(4),51 के तहत कार्रवाई की जाएगी।

शास्त्र के साथ शस्त्र का ज्ञान भी जरूरी-रतन यादव

विशाल शस्त्र पूजन और शोभा यात्रा विजयादशमी कार्यक्रम में शामिल होने का आव्हान किया

दुर्ग(समय दर्शन)।छत्तीसगढ़ बजरंग दल की त्रैमासिक योजना बैठक संगठन विभाग ने आयोजित की जिसमें वार्षिक विजयादशमी उत्सव एवं शस्त्र पूजन के विशाल कार्यक्रम की तैयारियों और आगामी त्रिशूल दीक्षा एवं ऊर्जावान बजरंगियों को शौर्य प्रशिक्षण कार्यक्रम को लेकर चर्चा हुई ।धर्म रक्षा हेतु संकल्पित सैकड़ों की संख्या में कार्यकर्ताओं ने इस बैठक में बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया।बैठक की शुरुआत जय श्रीराम की उद्घोष और विजय महामंत्र से आरंभ की गई बैठक में सैकड़ों कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए छत्तीसगढ़ बजरंग दल के प्रांत संयोजक रतन यादव ने बताया कि विजयादशमी का त्योहार हर सनातनी के लिए एक बड़े उत्सव का क्यों अवसर है तथा इसे हर्षोल्लास ने मनाया जाना हर हिन्दू के लिए धार्मिक अनिवार्यता है विजय का प्रतीक अधर्म के ऊपर धर्म को विजय पताका फहराने का अवसर और विशाल उत्सव है एक महत्वपूर्ण सनातन परंपरा है इसी कड़ी में उन्होंने कार्यकर्ताओं को त्रिशूल दीक्षा एवं शस्त्र पूजन की आगामी कार्यक्रम और तैयारियों की जानकारी दी तथा कार्यक्रम के बाद चढ़ कर हिस्सा लेने को अपील की नए कार्यकर्ताओं को संगठन के क्यों जुड़ना जोड़ना इसकी भी जानकारी दी।इसके पश्चात प्रांत अध्यक्ष गौतम जैन ने आश्वस्त किया कि संगठन की किसी भी आवश्यकता और सनातन सेवा के लिए वो सदैव समर्पित और तत्पर है।प्रांत सह मंत्री विकास ठाकुर ने बजरंगियों को हिन्दू धर्म को व्याख्या की तथा संगठित रहने के लाभ बताए तथा प्रांत उपाध्यक्ष चंदन राजपूत ने कार्यकर्ताओं को आगामी और बड़ी तैयारियों पर शसक्तीकरण हेतु जोर दिया बाद बजरंग दल के विधिक सलाहकार ज्ञानेश दुबे ने सभी कार्यकर्ताओं को संविधान को मर्यादा तथा संविधान सम्मान के साथ काम करने को सलाह दी तत्पश्चात रवि निगम ने बजरंगियों को आगामी वृहद और विशाल शस्त्र पूजन और विशाल शोभा यात्रा विजयादशमी कार्यक्रम में शामिल होने का आव्हान किया तथा विभाग,जिला और प्रखंड के सभी पदाधिकारियों को कार्यक्रम को तैयारियों में जुट जाने निर्देश दिया।इसके बाद श्री प्रांत संयोजक रतन यादव ने संगठन में पदोन्नति करते हुए वर्तमान में विभाग संयोजक रवि निगम को प्रांत सह संयोजक के के रूप में मनोनीत किया तथा क्रमश: अजय सेन विभाग सह संयोजक, अपूर्व सिंह को विभाग सह मंत्री ,इंद्रजीत गोस्वामी जिला मंत्री,जनार्दन पांडे जिला सत्संग प्रमुख,हंसराज देशमुख जिला सह मंत्री,अनिल सोनी जिला अखाड़ा प्रमुख ,यश यादव शहर अखाड़ा प्रमुख,जय महेश शहर अध्यक्ष,दुर्ग,जाएं चंद शहर उपाध्यक्ष,पुकेश्वर निषाद जिला सुरक्षा प्रमुख,मनोज साहू सह सुरक्षा प्रमुख,मोती साहू खंड अध्यक्ष करही डीह, विक्रम सिंह खंड उपाध्यक्ष, धानु धनकर नदकट्टी खंड अध्यक्ष,अंकित झा भिलाई शहर उपाध्यक्ष,मोनू कामठी शहर उपाध्यक्ष,गोलू गुप्ता कैंप प्रखंड अध्यक्ष के पद पर नियुक्ति की। ईस त्रैमासिक बैठक में विशेष तैयारियों हेतु प्रांत संयोजक श्री रतन यादव जी ने बजरंगियों को संगठित होकर कार्य करने का निर्देश दिया। पूरे बैठक और कार्य योजनाओं जानकारी देते हुए छत्तीसगढ़ बजरंग दल के संगठन प्रभारी ईश्वर गुप्ता ने प्रेस मीडिया को जानकारी देते हुए बताया की संगठन के निरंतर बजरंग दल में कार्यकर्ताओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए ईस वर्ष विजया दशमी उत्सव एवम शस्त्र पूजन का कार्यक्रम ऐतिहासिक होने वाला है।बैठक में शामिल होने वाले पदाधिकारियों को बताया कि कार्ययोजनाओं का क्रियान्वयन सभी पदाधिकारियों द्वारा संयुक्त रूप से किया जाएगा। ईस बैठक में विशेष रूप से विभाग मंत्री ऋतिक सोनी,कमल साव जिला उपाध्यक्ष भिलाई,जिला उपाध्यक्ष प्रिंस राजपूत,सूरज साहू,सन्नी साहू,अनिल बेहरा,नन्दन ओझा,मनोज साहू, करण सोनी,कौशल यादव, खिलेश विश्वकर्मा,मोहन निषाद,गणेश गोस्वामी,राजा यादव,रवि कुमार साहू,विकास सोनी,सन्नी पहल,प्रवीण शर्मा,आकाश सेन,कारण देशमुख,यश यादव,सन्नी महोबिया,राकेश पारकर,सुशील यादव,श्याम सागर,दिनेश सिंह टेकाम,टीकम यादव,अर्पण चंद्राकर आदि सैकड़ों संख्या में बजरंगी उपस्थित हुए।

पिथौरा के युवा नेतागण, शिक्षामंत्री गजेन्द्र यादव से किये सौजन्य मुलाकात

पिथौरा (समय दर्शन)। स्कूल शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव से मंत्रालय में सौजन्य भेट कर भाजपा युवा मोर्चा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य स्वप्निल तिवारी, युवा मोर्चा जिला उपाध्यक्ष विजय नायक, पिछड़ा वर्ग मोर्चा जिला महामंत्री दुलिकेशन साहू, किसान मोर्चा अध्यक्ष अजय डड़सेना ने शाल श्रीफल व बुके भेटकर शुभकामनाएं दिये । युवा मोर्चा नेता स्वप्निल तिवारी ने कहा कि शिक्षा मंत्रालय का दायित्व अपने आप में इसलिए अहम है क्योंकि नई शिक्षा

नीति का आगाज हो चुका है । और इसके सफल क्रियान्वयन का दायित्व आपके मजबूत कंधों पर सौपा गया है निसंदेह शिक्षा व्यवस्था में सकारात्मक परिवर्तन होगा और आपके कुशल नेतृत्व में छत्तीसगढ़ शिक्षा का हब बनेगा । शिक्षा के क्षेत्र में गुणात्मक सुधार एवं छात्र-छात्राओं के सर्वांगीण विकास की दिशा में हमारा छत्तीसगढ़ तेजी से आगे बढ़ेगा । उन्होंने कहा कि पिथौरा ब्लाक की शैक्षिक समस्याओं को लेकर जल्द ही प्रतिनिधिमंडल शिक्षा मंत्री महोदय से पुनः भेंट कर महासमुन्द जिला मे शिक्षा व्यवस्था को दुरुस्त करने शासन प्रशासन की बलवती इच्छा शक्ति से छत्तीसगढ़ मे हो रहे आमूल-चूल सकारात्मक परिणाम को और आगे बढ़ाने भाजपा कार्यकर्ता जमीनी स्तर पर शिक्षा के लोकव्यापीकरण मे अपनी भूमिका अदा करेगी ।

मानसिक स्वास्थ्य, योग और आयुष चिकित्सा पद्धतियों के प्रति जागरूकता हेतु सतत प्रयास

- छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव के अंतर्गत आयुष विभाग द्वारा विभिन्न जनकल्याणकारी गतिविधियाँ संचालित

महासमुंद (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा आयोजित रजत महोत्सव के अंतर्गत, जिला आयुष अधिकारी महासमुंद, डॉ. ज्योति गजभिये के कुशल मार्गदर्शन में जनहित में निरंतर रूप से स्वास्थ्य संरक्षण एवं संवर्धन हेतु विविध गतिविधियाँ संचालित की जा रही हैं। इस क्रम में आयुष विभाग की विभिन्न इकाइयों द्वारा प्रतिदिन जनजागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं। 10 सितम्बर 2025 को विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस के अवसर पर, शासकीय आयुष पॉली क्लिनिक, महासमुंद में पदस्थ आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी डॉ. सर्वेश दूबे द्वारा विद्यार्थियों को मानसिक स्वास्थ्य के महत्व के विषय में जागरूक किया गया। कार्यक्रम में आत्महत्या की रोकथाम हेतु मनोवैज्ञानिक सहयोग, संवाद की आवश्यकता और पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों की भूमिका पर

भी प्रकाश डाला गया।

इसके अतिरिक्त, डॉ. दूबे द्वारा क्लिनिक में आए रोगियों को गुडूची (गिलोय) की पहचान, औषधीय गुण तथा रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में इसकी उपयोगिता के बारे में जानकारी दी गई।

योग चिकित्सक डॉ. बबीता भगत द्वारा प्रतिदिन योगाभ्यास सत्रों का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें कुंजल क्रिया, अनुलोम-विलोम, भ्रामरी, आदि के लाभ और वैज्ञानिक दृष्टिकोण से उनके प्रभाव की जानकारी दी जा रही है। स्थानीय नागरिकों को योग को दैनिक जीवन में अपनाने हेतु प्रेरित किया जा रहा है। साथ ही, होम्योपैथी चिकित्सा अधिकारी डॉ. माधवी कुशवाहा द्वारा होम्योपैथिक चिकित्सा पद्धति की सरलता, प्रभावशीलता और रोगों के मूल कारणों पर कार्य करने की क्षमता के बारे में बताया गया। वहीं यूनानी चिकित्सा अधिकारी डॉ. पुष्पा साहू द्वारा यूनानी चिकित्सा की सिद्धांतों, हिज़ामा थेरेपी, तदबीर एवं औषधियों की जानकारी देकर लोगों को इसके प्रति जागरूक किया गया। जिला आयुष कार्यालय महासमुंद द्वारा यह सतत प्रयास किया जा रहा है कि विभिन्न आयुष चिकित्सा पद्धतियों को आमजन तक पहुंचाकर समग्र स्वास्थ्य की दिशा में प्रभावी कार्य किया जाए। इन कार्यक्रमों का मुख्य उद्देश्य स्वस्थ समाज का निर्माण एवं रोगों की रोकथाम के प्रति जागरूकता फैलाना है।

स्वामित्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रोहित खड़तकर द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स ग्राम छाटा, पोस्ट देवादा, तहसील पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.) 491111 से मुद्रित कर बी-4, प्रेस काम्प्लेक्स, इंदिरा मार्केट, दुर्ग छ.ग. 491001 से प्रकाशित। संपादक :- रोहित खड़तकर,
समाचार संपादक : दामोदर राव, फोन नं.-0788-4051213, मो. 9827104452, रायपुर कार्यालय:-0771-4218364, ईमेल - samay.darshan191@gmail.com पं. क्र. CHHHIN/2011/41517 डाक पंजीयन क्रमांक छ.ग./दुर्ग/61/2024-26